A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 13 फरवरी, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 160 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

जी हां, भारतीय मुस्लिम महिलाओं को यूसीसी की जरूरत है!

आमना बेगम

पिछले सप्ताह, मुझे उत्तराखंड सरकार द्वारा पारित समान नागरिक संहिता विधेयक पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए एक समाचार चैनल पर आमंत्रित किया गया था। यह मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहजनक क्षण था। इसे लेकर मेरे मन में उम्मीद की एक किरण थी और मैं शुक्रगुज़ार होने की भावना से भरी हुई थी। अंततः, मेरे जैसी भारतीय मुस्लिम महिलाएं अब भारत के संविधान द्वारा ऐसा महसूस नहीं करतीं कि जैसे उन्हें किनारे कर दिया गया हो। वही भारतीय संविधान जिसका उद्देश्य नेहरू द्वारा अपनाए गए मूल्यों- प्रगतिशीलता, तर्कसंगतता और महिलाओं के अधिकारों- का कड़ा समर्थन था। यह सबको साथ लेकर चलने और सबको महत्व देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है, जो हमें उन आदर्शों के करीब लाता है जिन पर हमारे देश का निर्माण हुआ था।

हालांकि, कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी समूहों, स्वयंभू या स्वघोषित धार्मिक नेताओं और पितृसत्तात्मक संगठनों ने, हमारे आधुनिक, प्रगतिशील संविधान द्वारा दी गई स्वतंत्रता से लाभ उठाते हुए, आपत्तियां दर्ज कराई हैं। उनका तर्क है कि विशिष्ट कानूनों को उनके समुदाय के भीतर लागू नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वे उनकी धार्मिक मान्यताओं के विपरीत हैं। इसके अलावा, वे इसे धार्मिक स्वतंत्रता का मामला बनाते हैं, और प्रभावी रूप से यह चुनने की क्षमता की वकालत करते हैं कि किन कानूनों का पालन करना है। यह दो विरोधाभासी उद्देश्यों की एक साथ पूर्ति करने जैसा है।

जबकि उत्तराखंड सरकार के यूसीसी बिल ने मुझे राहत और खुशी दी, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) और असदुद्दीन ओवैसी जैसे इस्लामी समूह जो कि मुस्लिमों का विक्टिम कार्ड खेलकर फल-फूल रहे हैं, वे इसका विरोध कर रहे हैं। उनका विरोध मुसलमानों के खिलाफ़ उत्पीड़न की वजह से नहीं है; बल्कि, यह सांप्रदायिक और इस्लामी समूहों द्वारा प्राप्त विशेषाधिकारों के खत्म होने की आशंका पैदा करता है। और स्वाभाविक रूप से महिला विरोधी, मुस्लिम विरोधी और, सबसे महत्वपूर्ण, भारत विरोधी व समानता विरोधी विशेषाधिकारों को अब चुनौती दी जा रही है।

औवेसी ने विभाजनकारी रुख अपना लिया है। उन्होंने यूसीसी लागू होने से मुस्लिम समुदाय के भीतर महिलाओं को मिलने वाले बेहतरीन लाभों की बात करने के बजाय इसे हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा बनाकर पेश करने की कोशिश की। उनका तर्क है कि यह संहिता या कोड वास्तव में यूनिफॉर्म नहीं है यानि कि एक समान नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों पर हिंदू-केंद्रित कानून को थोपने की कोशिश है। लेकिन उन्होंने आसानी से इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि यूसीसी काफी हद तक हिंदू कोड बिल जैसा इसलिए है, क्योंकि इस बिल में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। ओवैसी बिल के कुछ पहलुओं जैसे हलाला और बहुविवाह से संबंधित प्रावधानों पर सवाल उठाते हैं।

उनका तर्क है कि यह विधेयक अनुच्छेद 25 और 29 द्वारा गारंटी किए गए मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक प्रथाओं, संस्कृति और विरासत की रक्षा करने का अधिकार देता है। लेकिन ऐसे में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को उन्होंने नज़रअंदाज़ कर दिया। सबसे पहले, मुस्लिम होने के लिए शरिया कानून का पालन करना कोई पूर्व शर्त नहीं है; इस्लाम के पांच बातों का पालन ही पर्याप्त है। तुर्की जैसे कई मुस्लिम-बहुल देशों ने धर्मनिरपेक्ष और लैंगिक रूप से समान कानूनों को सफलतापूर्वक अपनाया है। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी देशों में रहने वाले कई मुसलमान बिना किसी संघर्ष या जद्दोजहद के अपने धर्म और विश्वास का पालन करते हुए देश के कानूनों का पालन करते हैं। दूसरा, संस्कृति के संरक्षण के नाम पर महिलाओं के उत्पीड़न को उचित ठहराना गलत है। यदि हिंदू समाज सांस्कृतिक आधार पर सती जैसी प्रथाओं के संरक्षण की वकालत करता है, तो राज्य ऐसे अन्याय को रोकने के लिए उचित रूप से हस्तक्षेप करेगा। इसी प्रकार, यह सुनिश्चित करना राज्य का कर्तव्य है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे उसकी सांस्कृतिक या धार्मिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो, अन्याय या उत्पीड़न का शिकार न हो।

एक अन्य तर्क एआईएमपीएलबी जैसे स्वघोषित मुस्लिम संस्थाओं से पैदा होता है. उनका तर्क है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा यूसीसी पर प्रस्तावित कानून अनावश्यक है और विविधता में एकता के सिद्धांत को कमजोर करता है। हालांकि, यह तर्क इस तथ्य को नजरअंदाज करता है कि विविधता में एकता का मतलब भेदभाव या असमानता के प्रति सहिष्णुता नहीं है। बल्कि, यह एक ढांचे के भीतर विभिन्न संस्कृतियों और मान्यताओं के सह-अस्तित्व पर जोर देता है।

कोई भी मुसलमानों को अपने रीति-रिवाजों का पालन करने, अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने या अपनी पसंद के अनुसार कपड़े पहनने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकता है। ये व्यक्तिगत स्वतंत्रताएं हैं जो कानूनी सीमाओं के भीतर संरक्षित और सम्मानित हैं। मौजूदा मुद्दा कानूनी शर्तों से संबंधित है जहां महिलाओं के खिलाफ भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इसलिए, यूसीसी का आह्वान विविधता को नकारता नहीं है; बल्कि, यह कानूनी ढांचे के भीतर समानता और न्याय सुनिश्चित करना चाहता है।

यह पूरी तरह से समझ में आता है कि एआईएमपीएलबी जैसे संगठन यूसीसी का विरोध क्यों करते हैं। ऐसा कोड वास्तव में उनके अधिकार को चुनौती देगा, क्योंकि वे अक्सर मुस्लिम समुदाय के भीतर समानांतर ज्युडिशियल बॉडीज़ (न्यायिक निकाय) के रूप में कार्य करते हैं। यूसीसी की वकालत करके, उत्तराखंड सरकार का लक्ष्य एक समान कानून स्थापित करना है जो सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू हो ताकि कानून के समक्ष समानता को बढ़ावा दिया जा सके और समानांतर ज्युडिशियल बॉडीज़ के प्रभाव को कम किया जा सके।

एक भारतीय मुस्लिम महिला के रूप में, मैं यूसीसी के कार्यान्वयन का तह-ए-दिल से समर्थन करती हूं। सच्चाई तब स्पष्ट होती है जब हम भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन (बीएमएमए) जैसे संगठनों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों को देखते हैं, जो इस बात की एक झलक प्रदान करती है कि आम मुस्लिम महिलाओं की इच्छाएं क्या हैं।

10 राज्यों में किए गए बीएमएमए सर्वेक्षण के अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने बहुविवाह की प्रथा को खारिज किया और मौखिक रूप से व एकतरफा तलाक (खाली पुरुषों के द्वारा दिया जा सकने वाला) पर प्रतिबंध लगाने की इच्छा व्यक्त की है। वास्तव में, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 91.7 प्रतिशत महिलाओं ने बहुविवाह के विरोध में आवाज उठाई और वकालत की कि एक मुस्लिम पुरुष को पहली शादी के रहते हुए दूसरी पत्नी रखने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सर्वेक्षण में शामिल 83.3 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं का मानना था कि मुस्लिम पारिवारिक कानून को संहिताबद्ध करने से उन्हें न्याय पाने में मदद मिलेगी।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

नीतीश सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

● सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग, समर्थन में 129 वोट ● सीएम नीतीश ने याद दिलाया जंगलराज ● दशरथ तो नहीं चाहते थे कि राम को वनवास हो, पर केकई नहीं मानी : तेजस्वी ● मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं? ● सीएम नीतीश बहुमत प्राप्त के बाद बोले 'सबका ख्याल' से दे दिया हिंट

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े। विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में मुख्यमंत्री जैसे ही बोलने के खड़े हुए तो आरजेडी विधायक हंगामा करने लगे। नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा कि लोग मुझे सुनना नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइए। नीतीश ने तेजस्वी के माता-पिता का जंगलराज याद दिलाया।

नीतीश सरकार के समर्थन में 129 वोट पड़े

बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े।

तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा दशरथ तो नहीं चाहते हैं राम को वनवास हो, पर केकई नहीं मानी। तेजस्वी ने कहा, मैं खुश हूं कि कर्पूरी ठाकुरजी को भारत रत्न दिया गया। भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है। आप हमारे साथ आइए और हम आपको भारत रत्न देंगे।

नीतीश बोले

हम सबको एकजुट कर रहे थे, उसमें कुछ हुआ। और हमको पता चला कि कांग्रेस पार्टी भी डर रही है। और इनके पिताजी भी उनके साथ थे। तब हम पुरानी जगह पर आ गए। अब सब दिन के लिये आ गए हैं। किसी का नुकसान नहीं करेंगे।

उत्तराखंड सीएम धामी की घोषणा

खाली कराई गई जमीन पर ही बनेगा थाना

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हुए पुलिस और प्रशासन की टीम पर पथराव और आगजनी की घटनाओं पर कड़ा रुख अख्तियार किया हुआ है। सीएम धामी ने साफ तौर कहा है कि इस घटना में शामिल तमाम आरोपियों को कानून के दायरे में लाकर सजा दिलाई जाएगी और खाली कराई गई जमीन पर ही बनेगा थाना। सोमवार को हरिद्वार पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी का भव्य स्वागत किया गया। सीएम धामी ने बड़े रोड शो में शक्ति प्रदर्शन किया। उत्तराखंड में यूनिफॉर्म सिविल कोड को विधानसभा से पास कराए जाने के बाद बड़े स्तर पर स्वागत हो रहा है। हालांकि, हल्द्वानी हिंसा ने सरकार के सामने चुनौती खड़ी की है।

कतर ने 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को रिहा किया

● 7 भारत लौटे, जासूसी का आरोप था, इनकी मौत की सजा कैद में बदली थी ● पूर्व नौसैनिक बोले- मोदी के बिना रिहाई संभव नहीं थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर ने 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को रिहा कर दिया है। इनमें से 7 सोमवार सुबह भारत लौट आए हैं। ये कतर में जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे थे।

पहले इन्हें फांसी की सजा सुनाई गई थी। पूर्व नौसैनिकों ने मीडिया से बात की। एक पूर्व नौसैनिक ने कहा- पीएम मोदी के हस्तक्षेप के बिना हमारे लिए भारत लौटना संभव नहीं होता।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार (12 फरवरी) को देर रात कहा- भारत सरकार कतर में गिरफ्तार किए गए दहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले 8 भारतीयों की रिहाई का स्वागत करती है।

पूर्व नौसैनिक बोले- मोदी के बिना रिहाई संभव नहीं थी

दिल्ली एयरपोर्ट पर लौटने के बाद कुछ पूर्व नौसैनिकों ने मीडिया से बात की। एक पूर्व नौसैनिक ने कहा- पीएम मोदी के हस्तक्षेप के बिना हमारे लिए भारत लौटना संभव नहीं होता। भारत सरकार के लगातार प्रयासों के बाद ही हम वापस आ सके हैं। एक अन्य पूर्व नौसैनिक ने कहा- हम 18 महीने बाद भारत आ सके हैं। हम पीएम मोदी और भारत सरकार को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हैं।

सुप्रभात

जीवन की आपा धापी में
कितने रिश्ते रूठ गए
बहुत संभाला बच ना पाए
मोह के बंधन छूट गए
कांच से निकले लोग यहां
चटके और फिर टूट गए
काम ना आया कोई जादू
जंतर मंतर फूंक गए
लंबी फ़ेहरिस्त रकीबो की
हम सच्चे होकर भी चूक गए
ना समझे वो प्यार कभी
क्यों फिर हमसे झूठ कहे
उनको अपना सब कुछ मान लिया
हम जानबूझ कर ठूंठ रहे
बंद आंखों से ख्वाब संजोया
आँख खुली और फूट गए
अब तन्हा तन्हा रहते है
लो तन्हाई से ऊब गए

– मीनाक्षी पाठक

एनडीए में शामिल हुए जयंत चौधरी

कयासों पर लगा विराम, यूपी में इंडिया गठबंधन को बड़ा झटका

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के मुखिया जयंत चौधरी आखिरकार एनडीए में शामिल हो गए। बीते कई दिनों से उनके भाजपा के साथ जाने की अटकलें थीं। चौधरी चरण सिंह को केंद्र सरकार द्वारा भारत रत्न की घोषणा के बाद से ये तय माना जा रहा था कि जयंत चौधरी इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ देंगे और भाजपा नीत एनडीए के साथ चले जाएंगे। अब इस खबर पर मुहर लग गई है। जयंत चौधरी आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़े दिखाई देंगे। बीते दिनों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाने के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने कहा था, कोई कसर रहती है? आज मैं किस मुंह से इनकार करूं।

प्रदेश में टैक्स का कोई नया प्रस्ताव नहीं

वित्त मंत्री बोले– 4 महीने के खर्च के लिए अंतरिम बजट ; मोदी की गारंटी पर हो रहा काम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया। यह बजट एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए का है। जिसमें विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में खर्च के लिए राशि आवंटित की गई है।

लेखानुदान में टैक्स के नए प्रस्ताव नहीं है। ना ही खर्च की कोई नई मद शामिल है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर काम कर रही है। लेखानुदान की प्राप्त राशि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल की जाएगी। अंतरिम बजट पर 13 फरवरी को चर्चा होगी। इसके लिए 4 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया।

लेखानुदान में किसके लिए कितनी राशि?

- किसानों के लिए 9588 करोड़ रुपए
- महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 9360 करोड़ रुपए
- हेल्थ डिपार्टमेंट के लिए 5417 करोड़ रुपए
- नगरीय विकास विभाग के लिए 4654 करोड़ रुपए
- आदिवासी कल्याण के लिए 4287 करोड़ रुपए
- धार्मिक न्यास के लिए 39 करोड़ रुपए
- सामाजिक न्यास के लिए 1820 करोड़ रुपए
- ग्रामीण विकास विभाग के लिए 5100 करोड़ रुपए
- अनुसूचित जाति विभाग के लिए 787 करोड़ रुपए
- ओबीसी और अल्प संख्यक कल्याण के लिए 514 करोड़ रुपए
- लोक निर्माण विभाग के लिए 3132 करोड़ रुपए
- स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 11674 करोड़ रुपए
- श्रम विभाग के लिए 391 करोड़ रुपए

विधानसभा में 'भारत रत्न' पर हंगामा

सीएम यादव बोले-कांग्रेस ने जिन पर ध्यान नहीं दिया, उन्हें हम भारत रत्न दे रहे

भोलाल (नप्र)। सीएम डॉ. मोहन यादव ने विधानसभा में कहा कि हमारा संकल्प पत्र कोई कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि धर्म ग्रंथ की तरह है। जिसे हम निश्चित रूप से करेंगे।

ये उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहां हुआ?– मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा- चाहे पक्ष हो या नेता प्रतिपक्ष हो। यह बात समझ नहीं आई कि यह उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहां हुआ है। सीएम की बात पर उप नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा में पारित हुआ है। अगर आपको जरूरत हो तो मैं उपलब्ध करा दूंगा।

अयोध्या से उज्जैन का खास रिश्ता है..– मुख्यमंत्री ने कहा- तीन बड़ी बातों का उल्लेख करना चाहता हूं। अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। कल के प्रभाव ने हमारी कई परीक्षाएं ली। मध्यप्रदेश का खास रिश्ता है अयोध्या से। उज्जैन और अयोध्या का। 2000 साल पहले हमारे सम्राट विक्रमादित्य ने उज्जैन से जाकर अयोध्या को पुर्नस्थापित कराया था और वर्तमान में जहां पर मंदिर की बात की जा रही है वहां पर ऐसा कहा जाता है कि 84 कसौटी का मंदिर जिसे बाबर ने तोड़ा था। वह सम्राट विक्रमादित्य ने बनवाया था।

'भारत रत्न' पर उमंग सिंघार के बयान पर हंगामा– मुख्यमंत्री ने कहा- पांच भारत रत्न दिए गए। जिसमें बिहार के सर्वहारा वर्ग के बड़े नेता कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, डॉ. स्वामीनाथन, और नरसिम्हा राव शामिल है। जिनके लिए कांग्रेस पार्टी ने कोई ध्यान नहीं दिया। उनको भी भारत सरकार भारत रत्न देने जा रही है।

मुख्यमंत्री के संबोधन के बीच में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भारत रत्न एक बहुत बड़ा गौरवशाली सम्मान होता है और जो भारत के संविधान में उल्लेखित है लेकिन आपने एक साल में 5-6 बांट दिए।

उमंग के बयान पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। जिस पर अध्यक्ष ने व्यवस्था देते हुए कहा भारत रत्न भारतवर्ष का सर्वोच्च सम्मान है इस पर कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती, जो शब्द आए हैं उनको विलोपित किया जाता है। धार्मिक स्थलों पर हेलिकॉप्टर और हवाई यात्रा की सुविधा देने की बात कही गई है। इंदौर से महाकालेश्वर, इंदौर से ओंकारेश्वर, ग्वालियर से ओरछा, ग्वालियर से दतिया ऐसे कई सारे स्थलों पर हवाई सुविधा शुरू की जाएगी।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर हंगामा– सीएम ने कहा- टंट्या मामा को सालों तक शिक्षा नीति में किस नाम से जाना जाता है। उनके अपमान का अगर कोई जिम्मेदार है तो वह कांग्रेस पार्टी है। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कांग्रेस ने गुरु गोविंद सिंह को भी लुटेरा कहा था। टंट्या भील को भी लुटेरा कहा। इतिहास के पन्नों में जितना महापुरुषों का अपमान कांग्रेस ने किया, कांग्रेस को शर्म आना चाहिए। विजयवर्गीय के बयान पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई। कांग्रेस विधायकों ने विजयवर्गीय के बयान को सदन की कार्यवाही से विलोपित करने की मांग की। बीजेपी विधायकों ने कहा- एनसीईआरटी की किताबों में साफ तौर पर लुटेरा लिखा गया था। उसे मुरली मनोहर जोशी ने ठीक करने का काम किया था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 18 °c

न्यूनतम 14°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 13 फरवरी 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

चप्पे- चप्पे पर बढ़ी सुरक्षा

टिकरी बॉर्डर पर पुलिस रख रही ड्रोन से नजर

● किसानों का दिल्ली मार्च-राजधानी में एक महीने धारा 144 लागू ● भीड़ जुटने और ट्रैक्टर्स की एंट्री पर रोक; पंजाब-हरियाणा, दिल्ली बॉर्डर सील

अंबाला (एजेंसी)। किसानों को दिल्ली कूच से रोकने के लिए पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर सीमेंट की स्लैब रखी जा रही हैं। हरियाणा-दिल्ली के सिंधु व टिकरी बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर दी गई है।

पंजाब और हरियाणा के 26 किसान संगठनों के 13 फरवरी के कूच को देखते हुए दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लगा दी गई है। दिल्ली में भीड़ जुटाने, लाउडस्पीकर और ट्रैक्टरों की एंट्री बैन कर दी है।

इसके साथ हथियारों से लेकर लाठी-पत्थर भी दिल्ली में नहीं ले जाने दिए जाएंगे। इस बीच चंडीगढ़ में किसानों की फसल पर एमएसपी गारंटी कानून समेत अन्य मांगों पर केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा, नित्यानंद राय से बैठक होगी। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पंजाब और हरियाणा के शंभू, खनौरी, सिंधु, टिकरी समेत सभी बॉर्डर सील किए जा चुके हैं। सीमेंट के स्लैब, कंटीली तारें, कीलें लगाने के साथ खुदाई की गई है उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित गाजीपुर बॉर्डर पर भी लोहे के बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। धारा-144 लागू कर दी। यूपी को दिल्ली से जोड़ने वाले नेशनल हाईवे-9 की सर्विस लेन बंद कर दी है। शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने मॉक ड्रिल और आंसू गैस के गोले छोड़ने की मॉक ड्रिल की।

संक्षिप्त समाचार

लोकल से ग्लोबल हुआ भारत का यूपीआई

पीएम मोदी ने किया लॉन्च

श्रीलंका और मॉरीशस में भी चलेगा 'भारत का सिक्का'

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (पीआई) ग्लोबल होता जा रहा है और कई देशों ने इसे अपनाने में दिलचस्पी दिखाई है। अब इसका और विस्तार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका और

मॉरीशस में यूपीआई सर्विस को लॉन्च कर दिया है। अब श्रीलंका और मॉरीशस के लोग भी अपने-अपने यहां इनका इस्तेमाल कर पाएंगे। जबकि मॉरीशस के लोग भारत में भी यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। वहीं भारत के लोग दोनों देशों में पीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। हाल ही फ्रांस में भी यूपीआई सर्विस की शुरूआत हुई है। अब लोग यूपीआई के जरिए एफिल टावर के लिए टिकट बुक कर सकेंगे।

पीएम मोदी ने एक लाख अपॉइंटमेंट लेटर बांटे

कहा- पहले नियुक्ति में देरी कर रिश्वत का खेल होता था, हमने प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रोजगार मेले के तहत 1 लाख से ज्यादा लोगों को अपॉइंटमेंट लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार का यह 12वां और आखिरी रोजगार मेला है। पीएम ने दिल्ली में कर्मयोगी भवन की भी आधारशिला रखी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देगा।

कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए पीएम मोदी बोले- आज हर युवा जानता है कि अगर वह कड़ी मेहनत करे तो वह अपने लिए जगह बना सकता है। 2014 से हम युवाओं को विकास में भागीदार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हमने पिछली सरकार की तुलना में 1.5 प्रतिशत अधिक नौकरियां दी हैं।

मोदी ने कहा- पहले नौकरी के लिए विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक बहुत लंबा समय लग जाता था। इस देरी का फायदा उठाकर उस दौरान रिश्वत का खेल भी जमकर होता था। हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है।

पहुँच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को और मिलेगी गति : स्कूल शिक्षा मंत्री

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँच मार्ग बनने से प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी। मंत्री श्री सिंह रविवार को नरसिंहपुर जिले के तेन्दूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मेहदा में 3 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले पहुँच मार्ग का भूमिपूजन करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गाँवों के समग्र विकास के लिये संकल्पित है।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि जिले में सभी निर्माणाधीन कार्य गुणवत्ता के साथ नियत समय में पूरे किये जायेगें। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को विकास कार्यों की सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिये। इस मौके पर मंत्री श्री सिंह ने ग्राम डोभी में पब्लिक स्कूल के समाने मिनी स्टेडियम निर्माण के लिये 25 लाख रूपये और डोभी- गुटौरी तिराहे पर पहुँच मार्ग निर्माण के लिये एक करोड़ 25 लाख रूपये की घोषणा की। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पहुँच मार्ग बन जाने से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी। कार्यक्रम को विधायक श्री विश्वनाथ पटेल ने भी संबोधित किया।

बच्चों का कौशल उन्नयन भी करेगी नई शिक्षा नीति- स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को समय बद्ध रूप से प्रदेश में लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति अच्छी शिक्षा के साथ बच्चों का कौशल उन्नयन भी करेगी। मंत्री श्री सिंह ग्वालियर में सेठ एमआर जयपुरिया के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों के साथ-साथ प्राईवेट स्कूल के विकास के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने समारोह में प्रदेश में संचालित सीएम राईज स्कूल और पीएम श्री स्कूल के संचालन व्यवस्था की जानकारी दी।

गैर भाजपा शासित राज्यों में रणनीति बनाएंगे शिवराज

पश्चिम बंगाल, ओडिशा के दौरे पर, लोकसभा चुनाव की बैठक करेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान गैर भाजपा शासित राज्यों में लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे। शिवराज आज सोमवार को पश्चिम बंगाल और ओडिशा में एक दिवसीय दौरे पर हैं। यहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नवीन पटनायक के क्षेत्र में बैठकें करेंगे। शिवराज कोलकाता में चुनाव प्रबंधन समिति की बैठकों में शामिल हो रहे हैं। इसके बाद हावड़ा के जिला भाजपा कार्यालय में बूथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करेंगे। शाम को कोलकाता में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। मंगलवार सुबह कोलकाता से ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंचकर लोकसभा चुनाव की बैठकों में शामिल होंगे।

दक्षिण के राज्यों का दौरा कर चुके हैं शिवराज - पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रमों में दक्षिण भारत के तीन राज्यों में शामिल हो चुके हैं। वे तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु गए थे। 26 जनवरी को इस यात्रा का समापन हो गया।

पब्लिक कनेक्ट इमेज का फायदा लेगी पार्टी- राजनीतिक जानकार मानते हैं कि शिवराज

सिंह चौहान का पब्लिक से जुड़ने का अंदाज सबसे अलग है। 18 साल तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने मामा और भाई की जो इमेज बनाई है, उसे न केवल मध्यप्रदेश बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी सराहा जाता है। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी वे किसी भी राज्य के दौरे पर जाते हैं तो वहां बच्चों और महिलाओं से एमपी की तरह ही मिलते हैं। उन्हें दक्षिण के राज्यों में भी बच्चों ने मामा कहकर संबोधित किया। बीजेपी शिवराज की इस इमेज को अब उन राज्यों में उपयोग करने जा रही है, जहां गैर भाजपाई सरकारें हैं। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की दो दिन पहले संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। गुरुवार को शिवराज अपने विधानसभा क्षेत्र बुधनी के लाड़कुई में गांव चलो अभियान के तहत रात्रि विश्राम करने वाले थे।

दुनिया भारत की ओर बड़ी आस से देख रही : मोहन भागवत

बोले- हमें अब एकता और सद्भाव के साथ करना होगा राष्ट्र का निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को लोगों से एकता, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में दर्शन का उच्चतम स्तर है और दुनिया अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हमारी ओर देख रही है। भागवत ने जैन तीर्थंकर महावीर के 2550वें 'निर्वाण' वर्ष के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोग अपनी भौतिकवादी जीवन शैली के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने कहा, दुनिया अब अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद

से भारत की ओर देख रही है, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी भौतिकवादी जीवन शैली उन्हें वह खुशी नहीं देती जो हर कोई चाहता है।

अहिंसा का पालन करें

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भौतिकवादी चीजों में कोई खुशी नहीं है। भागवत ने कहा कि सभी के साथ सौहार्द्रपूर्वक रहें, अहिंसा का पालन करें, धैर्य रखें, चोरी न करें, यही जाने का मूल आधार है।

राहुल बोले- अग्निवीर योजना युवाओं से छल

कोरबा में कहा- जीएसटी, नोटबंदी से पूंजीपतियों को फायदा; कटघोरा में बुनकरों-वकीलों से मिले

कोरबा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा कोरबा के सीतामणि चौक से शुरू हो होकर ट्रांसपोर्ट नगर पहुंची। यहां राहुल ने गांधी ने चौक पर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने ओबीसी, जीएसटी, अग्निवीर योजना का जिक्र कर मोदी पर हमला बोला।

राहुल ने ये भी कहा कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में 74 फीसदी आबादी वाले ओबीसी, दलित, आदिवासियों को

नहीं बुलाया गया। वहां बड़े-बड़े पूंजीपति और फिल्म स्टार गए।

छत्तीसगढ़ से राहुल गांधी का रिश्ता पुराना- पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ से राहुल गांधी का रिश्ता पुराना है। राहुल गांधी यहां आते रहे हैं। देश के विकास में सबकी भागीदारी है। हम सब देश को भाईचारे के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं।

राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति असंवैधानिक नहीं

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह सिर्फ एक ओहदा, कोई अतिरिक्त लाभ भी नहीं मिलता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि राज्यों में डिप्टी सीएम की नियुक्ति संविधान के खिलाफ नहीं है। यह सिर्फ एक ओहदा है, जो वरिष्ठ नेताओं को दिया जाता है। इस पद पर नियुक्त व्यक्ति को कोई अतिरिक्त फायदा भी नहीं मिलता।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सोमवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा- सरकार में पार्टियों के गठबंधन या अन्य वरिष्ठ नेताओं को अधिक महत्व देने के लिए यह प्रक्रिया अपनाई जाती है। बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि डिप्टी सीएम की नियुक्ति को किसी भी तरह से असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। डिप्टी सीएम राज्य सरकार में पहला और सबसे अहम मंत्री होता है। सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका पब्लिक पॉलिटिकल पार्टी ने लगाई थी। याचिका में दावा किया गया था कि संविधान में डिप्टी सीएम जैसा कोई पद नहीं है। यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है। ऐसी नियुक्ति एक गलत उदाहरण पेश करती है। याचिका में इस बात का भी दावा किया गया था कि डिप्टी सीएम को मुख्यमंत्री की मदद के लिए नियुक्त किया जाता है।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण ने कांग्रेस छोड़ी

एक-दो रोज में 13 नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने विधायक पद भी छोड़ दिया है। अशोक चव्हाण ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को इस्तीफा सौंपा। इससे पहले मिलिंद देवड़ा ने 14 जनवरी तो बाबा सिद्दीकी ने 8 फरवरी को कांग्रेस छोड़ दी थी। अशोक चव्हाण के इस्तीफे के बाद महाराष्ट्र के एक अन्य कांग्रेस नेता अमरनाथ राजुकर ने भी इस्तीफा दे दिया। वहीं फडणवीस बोले- आगे-आगे देखिए होता है क्या। सूत्रों के मुताबिक अशोक चव्हाण 13 बड़े नेताओं के साथ भाजपा जॉइन कर सकते हैं। इसके साथ ही महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज हो गई है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, भाजपा नेता आशीष शेलार भाजपा दफ्तर पहुंचे।

सीएम योगी ने ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया

बोले- मुजफ्फरनगर में दंगे होते थे... अब कोई कर सकता है? पहले नौकरी के नाम पर ठगा गया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। डबल इंजन सरकार जो कहती है वो करके दिखाती है। पहले मुजफ्फरनगर में दंगे होते थे कई दिन तक दंगे चलते थे। कई नेता भी जेल में थे। अब कोई दंगा कर सकता है क्या? पहले की सरकारें युवाओं की नौकरी को ठगा करती थी। आज पुलिस के 60 हजार पदों पर निष्पक्ष भर्ती हो रही है। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुजफ्फरनगर जिले के शुक्रताल में कहीं। उन्होंने यहां ग्राम परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने अपने भाषण की शुरुआत राम मंदिर निर्माण से और अंत जय-जय श्रीराम के साथ किया। उन्होंने कहा कि 500 साल का ये सपना पूरा हुआ। अब अयोध्या में हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।मंच पर पहुंचने के दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को हल का प्रतीक दिया गया।

योगी बोले- मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार का श्रेय किसानों को जाता है। हमने मुफ्त बिजली के लिए व्यवस्था की। सरधना में खेल यूनिवर्सिटी बनने का काम शुरू हो गया है। गन्ना मूल्य के बकाया पर बात करते हुए उन्होंने कहा पहले 7 प्रतिशत बकाया भुगतान था। लेकिन अब 99 प्रतिशत गन्ना भुगतान किया जा रहा है। 119 चीनी मिलों में से 105 मिलें ऐसी हैं, जो 100 प्रतिशत भुगतान कर चुकी हैं।

भोपाल में पानी से

खराब हुआ वाटर प्रूफ मोबाइल

9 साल पुराने मामले में उपभोक्ता आयोग का फैसला- ब्याज समेत कीमत लौटाए कंपनी

भोपाल (नप्र)। अगर आपका वाटर प्रूफ मोबाइल पानी चले जाने की वजह से खराब हो गया है तो निश्चिंत रहिए। इसकी जिम्मेदारी कंपनी की होगी। ऐसे ही एक मामले में भोपाल जिला उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग की बेंच-1 ने फैसला सुनाया है। अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल और सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडे ने सोनी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सोनी सर्विस सेंटर को मोबाइल में पानी जाने की स्थिति में जिम्मेदार ठहराया है, और इसे ठीक नहीं करने को अनुचित व्यापारिक आचरण भी बताया। साथ ही मोबाइल की कीमत ब्याज समेत लौटाने का आदेश दिया है। मामला 9 साल पुराना है।

सबसे पहले जानिए क्या है मामला

भोपाल की अरेरा कॉलोनी में रहने वाले संयम ने सोनी कंपनी का मोबाइल 1 फरवरी 2015 को खरीदा था। जेड-3- डी6653 मॉडल का यह फोन दुकानदार ने वॉटर प्रूफ बताते बेचा था। लेकिन, एक वर्ष की वारंटी अवधि में 1 अगस्त 2015 को मोबाइल फोन बंद हो गया। जिसे 10 नंबर स्थित शॉप पर दिखाया गया। वहां सॉफ्टवेयर की प्रॉब्लम बताकर कंपनी के सर्विस सेंटर भेज दिया गया।

सर्विस सेंटर पर चेक करने के बाद पर मोबाइल को ओल्ड, डैमेज, वाटर लॉग्ड होना जॉब शीट में लिखा। साथ ही 14,184.50 रुपए सुधारने और 350 रुपए सर्विस चार्जेस बताया। कुल 16,569 रुपए का एस्टीमेट दिया गया। इस पर ग्राहक ने बताया कि मुझे वाटर प्रूफ मोबाइल बताकर बेचा गया था। इसलिए मोबाइल निःशुल्क सुधारा जाना चाहिए, या बदलकर नया मोबाइल दें। लेकिन, सर्विस सेंटर ने न तो सुधारा, न बदलकर दिया। जिसके बाद ग्राहक ने उपभोक्ता आयोग में शिकायत की, और बताया कि मोबाइल का विज्ञापन वाटर प्रूफ बताकर किया जाता है।

अपने फैसले में बेंच ने यह आदेश दिया...

बेंच ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा- परिवादी (ग्राहक) को दिए गए बिल में मोबाइल वाटर प्रूफ तथा डस्ट रेजिस्टेंस होना बताया गया है। इससे स्पष्ट है कि मोबाइल वाटर प्रूफ था। विवरण में यह भी स्पष्ट है कि मोबाइल से पानी में तैरते हुए भी फोटो ली जा सकती है। जबकि विपक्षी (कंपनी सर्विस सेंटर) के अनुसार उक्त मोबाइल में पानी ग्राहक की उपेक्षा के कारण गया था। किंतु, कंपनी के विज्ञापन से ही स्पष्ट है कि मोबाइल वाटर प्रूफ था। जिसकी शर्तों के मुताबिक ग्राहक ने 30 मिनट से अधिक समय तक मोबाइल को पानी में रखा हो ऐसा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, वारंटी अवधि में ग्राहक को वाटरप्रूफ होना बताकर विक्रय किया गया। लेकिन, मोबाइल पानी से खराब हुआ था। जिसे सुधारने से सर्विस सेंटर ने इनकार किया है।

बेंच ने बताया अनुचित व्यापारिक आचरण

बेंच ने कहा कि वाटरप्रूफ मोबाइल बताकर बिना वाटरप्रूफ मोबाइल विक्रय किया गया और सर्विस सेंटर ने मोबाइल सुधारा नहीं। यह सेवा में कमी एवं अनुचित व्यापारिक आचरण प्रमाणित होता है। चूंकि, निर्माता कंपनी ने अब इस मॉडल का मोबाइल बनाना बंद कर दिया है ऐसी स्थिति में मोबाइल बदलकर नया मोबाइल दिलाए जाने का आदेश दिए जाने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए परिवादी को मोबाइल की कीमत दिलाया जाना उचित प्रतीत होता है। अरेरा हिल्स स्थित राज्य उपभोक्ता आयोग में यह मामला साल 2015 से चल रहा था।

मोबाइल कीमत की अदायगी 9 प्रतिशत ब्याज के साथ देना होगी

बेंच ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि मोबाइल की कीमत 44,990 की अदायगी 9 प्रतिशत ब्याज के साथ लौटानी होगी। इसके अलावा 10 हजार रुपए मानसिक कष्ट और 5 हजार रुपए अन्य खर्च के देने होंगे। इसके अलावा दो महीने तक राशि नहीं लौटाने की स्थिति में 9 प्रतिशत ब्याज सहित देना होगा।

पिकअप वाहन व ट्रक की भिड़ंत में 1 की मौत, 14 से ज्यादा घायल, तीन गंभीर हालत में इंदौर रेफर

शाजापुर (उज्जैन) (नप्र)। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर मक्सी और कनासिया के बीच बारातियों से भरी पिकअप वाहन और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हो गई। भिड़ंत में 14 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में लाया गया।

उपचार के दौरान एक बाराती नागू गिरी निवासी उज्जैन की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 4 बारातियों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया। घायलों को टोल टैक्स की एम्बुलेंस व 1033 एम्बुलेंस की मदद से लाया गया। घटना की जानकारी लगते ही एसडीएम, एडिशनल एसपी जिला अस्पताल पहुंचे।

सभी घायल उज्जैन और आसपास के रहने वाले है। हादसा इतना भयानक था पिकअप की कंडक्टर साइड का दरवाजा काटकर घायलों को बाहर निकालाना पड़ा। हादसे में 4 बच्चे भी घायल हुए हैं। उज्जैन से निपानिया डाबी बारात आई हुई थी और शादी के बाद वापस उज्जैन लौट रही थी इसी दौरान हादसा हुआ। हादसे में दूल्हे व दूल्हन को भी मामूली चोट आई है।

रावण का किरदार निभाया, मंच से उतरते ही हो गई मौत

कॉस्ट्यूम चेंज करते वक्त सीने में उठा दर्द, डॉक्टर बोले-हार्ट अटैक के लक्षण थे

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ में रामलीला में रावण का किरदार निभाने वाले कलाकार की मौत हो गई। इवेंट खत्म होने के बाद कपड़े बदलते के दौरान उसके सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद साथी उसे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना शनिवार रात की है। जिसकी जानकारी आयोजन समिति ने एक दिन बाद दी। बताया गया कि रामलीला खत्म होने के अगले दिन रविवार को भंडारा था। ऐसे में कलाकार की मौत की खबर से माहौल बिगड़ सकता था, इसीलिए उनका इलाज जारी रखने की बात कह दी गई। मामला दिगौड़ा थाना क्षेत्र के चैनपुरा बछोड़ा गांव का है। गांव के मड़िया बाबा मंदिर में 2 से 10 फरवरी तक महायज्ञ, भागवत कथा, संत सम्मेलन और रामलीला का आयोजन किया गया था। 10 फरवरी की रात करीब 2 बजे रामलीला के अंतिम दिन रावण वध का मंचन हुआ। रात करीब दो बजे रावण का किरदार निभाने वाले

भोले राजा ड्रेसिंग रूम में चले गए। कपड़े उतारने के दौरान भोले को सीने में दर्द होने लगा। वे नीचे बैठ गए। दर्द बढ़ता गया तो उन्होंने साथी कलाकारों को आवाज लगाई। वे निजी वाहन से भोले को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। खिसनी गांव के रहने वाले भोले राजा रामलीला में रावण का किरदार निभा रहे थे।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम

ग्राम पंचायत रतनगुवां के रोजगार सहायक सुरेंद्र सिंह गौर ने बताया, भोले राजा मेरे बहनोई थे। वे खिसनी गांव के रहने वाले थे। 11 फरवरी को हम लोगों ने उनका अंतिम संस्कार किया। गौर ने बताया, अस्पताल ले जाते वक्त बर्माताल और बावरी गांव के बीच वे बेहोश हो गए। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल में भर्ती होने की बात कही

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया, 10 फरवरी को धार्मिक अनुष्ठान का समापन था। 11 को भंडारा रखा गया था। माहौल खराब न हो इसलिए भोले राजा की मौत की जानकारी नहीं दी गई। हमने कहा कि झांसी में उनका इलाज चल रहा है। रविवार रात भंडारा हो जाने के बाद लोगों को भोले की मौत होने की जानकारी दी गई।

गिरफ्तार किसान नेताओं को तत्काल रिहा करें : भाकपा

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मध्य प्रदेश में विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं की अकारण गिरफ्तारी की कड़ी भर्त्सना करते हुए उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग मध्य प्रदेशसरकार से की है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड अरविन्द श्रीवास्तव और राज्य सह सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार द्वारा विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं को अकारण गिरफ्तार किया गया है।आगामी 16 फरवरी को किसानों के देश व्यापी आंदोलन को दबाने के लिए इस तरह का तानाशाही पूर्ण रवैया जारी है।मध्य प्रदेश में तो अभी इस आंदोलन की घोषणा भी नहीं की गई है लेकिन उसके पूर्व ही दमन की कार्रवाई की जा रही है। पार्टी ने गिरफ्तार किसान नेताओं को तत्काल ही रिहा करने की मांग मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री मोहन यादव से की है।

शांति भंग करने की आशंका के चलते बाबू मस्तान गिरफ्तार

- जुआ एक्ट समेत 14 अपराध दर्ज, विधानसभा चुनाव में निर्दलीय लड़ा था

पत्नी ऐशबाग क्षेत्र से रह चुकी है पार्षद

बाबू मस्तान इलाके में जुआ और सट्टा खिलाता है। उसके खिलाफ जुआ एक्ट समेत 14 अपराध दर्ज हैं। बाबू मस्तान की पत्नी ऐशबाग क्षेत्र से पार्षद रही हैं।

भोपाल (नप्र)। विधानसभा चुनाव में इस बार नरेला सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपनी किस्मत आजमा चुके बाबू खां उर्फ मस्तान को ऐशबाग पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शांति भंग करने की आशंका के चलते उसके खिलाफ पिछले साल अप्रैल में धारा 107, 116(3) के तहत एसीपी कोर्ट में इस्तगासा पेश किया गया था।

पुलिस के मुताबिक इलाके में शांति व्यवस्था बनी रहे इसलिए आमजन की शिकायत पर बाग उमराव दूल्हा ऐशबाग निवासी बाबू खां उर्फ मस्तान के खिलाफ धारा 107/116(3) के तहत 15 अप्रैल 2023 को एसीपी जहांगीराबाद की कोर्ट में इस्तगासा पेश किया गया था। एसीपी कोर्ट द्वारा बाबू उर्फ मस्तान को कोर्ट में उपस्थित होने नोटिस/समंस/जमानती वारंट जारी किए गए थे। कोर्ट में उपस्थित नहीं होने पर 2 जनवरी को गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

घेराबंदी कर पकड़ा

आरोपी को 12 फरवरी तक गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करना था। पुलिस को 10 फरवरी को वाहन चैकिंग दौरान सूचना मिली थी कि बाबू मस्तान बाग उमराव दूल्हा स्थित मदीना मस्जिद के पास घूम रहा है। पुलिस ने घेराबंदी करके बाबू मस्तान को गिरफ्तार किया।

भोपाल मानस भवन में संगीतमय भागवत कथा का तीसरा दिन

रामकृपालु महाराज बोले-

सत्संग का फल सर्वोत्तम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मानस भवन में स्वर्गीय राधा कृष्ण अमर एवं शांता देवी अमर की पुण्य स्मृति में आयोजित संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन भागवताचार्य रामकृपालु उपाध्याय ने भक्त राज धुव्र चरित्र का विस्तार करते हुए कहा कि कथा श्रवण से जो पुण्य प्राप्त होता है वह तप से भी श्रेष्ठ है। उन्होंने आगे कहा कि ईश्वर के नाम रूप से परिचय तभी हो सकता है जब हम श्रद्धा से कथा श्रवण करते है। भगवान के नाम में श्रद्धा होते ही हृदय में वैराग्य उत्पन्न हो जाता है। वैराग्य का अर्थ है संसार में रहते हुए ईश्वर के प्रति अनुराग होना। सत्संग से नाम रूप का अभ्यास क्रमशः बढ़ता जाता है। और यह अभ्यास हमारे अंत समय में बहुत काम आता है। इसलिए तो मानस में कहा गया है। मुनिगण जन्म-जन्म जतन करते हैं अर्थात भजन करते हैं तब ही अंत समय हृदय में राम नाम का स्मरण आता है।

तप श्रेष्ठ या सत्संग

कथा श्रवण का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि एक बार गुरू वशिष्ठ और महर्षि विश्वामित्र के बीच विवाद हुआ कि तप श्रेष्ठ है या सत्संग। परस्पर निर्णय न होते देख दोनों भगवान नारायण के पास पहुंचे। और कहा कि प्रभु! आप निर्णय करें कि तप श्रेष्ठ है या सत्संग। भगवान नारायण ने कहा कि आप दोनों में से कोई पहले मेरे ऊपर जो ब्रह्मांड का भार है उसे अपने पुण्य फल देकर कम करे तभी आपका निर्णय कर पाऊंगा। तब वशिष्ठ जी ने अपने कई वर्षो का तप लगाया लेकिन ब्रह्मांड का भार कम नहीं हुआ। वहीं विश्वामित्र ने आधी घड़ी के सत्संग के पुण्यफल को भगवान नारायण को अर्पित किया तो भार कम हो गया। तब भगवान ने कहा कि अब बताओ निर्णय करूँ। दोनों ने कहा प्रभु निर्णय तो स्वतः ही समझ में आ गया है कि सत्संग सबसे श्रेष्ठ है। क्योंकि सत्संग से सद् विचारों की उत्पत्ति होती है और व्यक्ति सत्कर्म करते हुए परम पद प्राप्त कर लेता है। कथा के प्रारंभ में विजय कुमार अमर एवं उनके परिजनों द्वारा व्यासपीठ की पूजन अर्चन की गयी। कथा में यजमान सरोज देवी विजयकुमार अमर, पल्लवी-वरूण अमर एवं तुलसी मानस प्रतिष्ठान कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा, कमलेश जैमिनी, महेश दुबे, अशोक भट्ट, अनिल रूद्र तिवारी, देवेन्द्र कुमार रावत के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

जबलपुर समेत

5 जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट

म.प्र.में इस मानसून भरपूर बारिश, गर्मी कम पड़ेगी; वजह- कमजोर अलनीनो

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आज भी ओलावृष्टि और बारिश के आसार हैं। जबलपुर, शहडोल, सिवनी, मंडला और अनूपपुर में ओले गिर सकते हैं। नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, बालाघाट, डिंडोरी, उमरिया, कटनी, सिंगरौली में गरज- चमक के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, रायसेन, बैतूल, दमोह में हल्की बूंदाबांदी का अनुमान है। 13 फरवरी को सागर, रीवा और शहडोल संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

इससे पहले रविवार को मंडला, अनूपपुर, शहडोल, जबलपुर में ओलावृष्टि हुई थी। जबलपुर में मटर, मसूर और चने की फसलों को नुकसान पहुंचने पर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने सर्वे के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल मानसून समय पर आने और भरपूर बारिश की उम्मीद बढ़ गई है। अल नीनो और जलवायु परिवर्तन के चलते पड़ रही भीषण गर्मी से भी निजात मिलने की संभावना है। दो वैश्विक मौसम एजेंसियों की स्टडी के निचोड़ से भारतीय वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। एजेंसियों के मुताबिक, अलनीनो कमजोर पड़ना शुरू हो गया है। जून तक प्रभाव खत्म हो जाएगा।

ऐसा मौसम इसलिए...

मौसम विभाग, भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह ने बताया कि दक्षिणी गुजरात के आसपास साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और ट्रफ लाइन गुजर रही है। ये दोनों अभी भी एक्टिव हैं। दक्षिणी-पूर्वी हवाएं प्रदेश में बारिश ला रही हैं। इससे कई जिलों में हल्की से मध्यम

बारिश हो रही है।मंडला के निवास में रविवार को बड़े आकार के ओले गिरने से कार का शीशा टूट गया। आज भी मंडला जिले में बारिश के साथ ओले गिरने के आसार हैं।

बीते साल जैसा गर्म नहीं होगा 2024- यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा है कि 79 प्रतिशत संभावना है कि अल नीनो जून तक कम हो जाएगा। जून-अगस्त में ला नीना विकसित होने की संभावना 55 प्रतिशत है।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन कहते हैं कि इस साल जून-अगस्त में ला नीना की स्थिति बनने की संभावना है। इसका अर्थ यह है कि बीते साल से अच्छी बारिश होगी। हालांकि, बसंत से पहले सटीक भविष्यवाणी करना मौसम मॉडल के लिए मुश्किल है।

भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. डीएस पई ने कहा कि अभी हम पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते। हालांकि, सभी मॉडल अल नीनो के जाने का संकेत दे रहे हैं। ऐसा होता है तो बीते सीजन से बेहतर बारिश होगी। वैसी गर्मी भी नहीं पड़ेगी, जिसकी आशंका है।

अलनीनो क्या होता है

अलनीनो एक जलवायु पैटर्न है। ला नीना की तरह इसका भी दुनियाभर के मौसम पर असर पड़ता है। इसमें समुद्र का तापमान 3 से 4 डिग्री बढ़ जाता है। इसका प्रभाव 10 साल में दो बार होता है। इसके प्रभाव से ज्यादा बारिश वाले क्षेत्र में कम और कम बारिश वाले क्षेत्र में ज्यादा बारिश होती है। भारत में अलनीनो के कारण मानसून अक्सर कमजोर होता है, जिससे सूखे की स्थिति निर्मित होती है।

संपादकीय

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दरकार

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा संसद में पेश 2024-25 के अंतरिम बजट में सबसे ज्यादा उम्मीदें हेल्थ सेक्टर को थी, लेकिन उसे निराशा ही हाथ लगी है। इस काम के लिए जितना बजट बढ़ना था, नहीं बढ़ा। भारत अभी अपनी जीडीपी का 2.5 फीसदी हिस्सा स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च कर रहा है, भारत जैसे दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश के लिए नाकाफी है। हालांकि वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के मद्देनजर कई घोषणाएं की हैं। जिनमें देश के जिला अस्पताओं को मेडिकल कॉलेजों में बदलने की घोषणा महत्वपूर्ण है। इससे देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होगी। जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में बदलने के लिए सरकार कमेटी बनाएगी। यह समिति मौजूदा जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में बदलने के बारे में सुझाव देगी। इसी के साथ बजट भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि मिशन सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण को सरकार बढ़ावा देगी। इसमें 9 से 14 साल की लड़कियों को मुफ्त में टीका दिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा और आंगनवाड़ी वर्कर के लिए घोषणा की है। वित्त मंत्री ने ऐलान किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत सभी आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को भी कवर किया जाएगा। अभी तक आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी वर्कर्स आयुष्मान भारत योजना में शामिल नहीं थे। अब इन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। ये सभी घोषणाएं अच्छी हैं, लेकिन बजट में हेल्थ को लेकर जितना महत्व मिलना चाहिए, वो नहीं दिखता। अगर हम हेल्थ के वैश्विक मॉडल को देखें तो भारत को अपने बजट में प्राथमिकता देने की जरूरत थी। साथ ही हेल्थकेयर की उपलब्धता, गुणवत्ता और समान वितरण को लेकर भी गंभीर खामियां हैं, जिन्हें दुरूस्त करने के लिए फौरन कदम उठाने की आवश्यकता है। आज देश में गुणवत्तापूर्ण पब्लिक हेल्थकेयर की बढ़ती मांग के बावजूद, देश में इसका समूचा ढांचा और उपलब्धता बेहद अपर्याप्त है। हालांकि मध्यम वर्ग और शहरी अमीर तबका स्वास्थ्य बीमा के जरिए प्राइवेट हेल्थकेयर सिस्टम का इस्तेमाल कर सकते हैं, मगर ज्यादातर भारतीय गरीबी रेखा के नीचे रहते हैं। वो स्वास्थ्य सेवाओं के लिए केवल सरकारी बीमा योजनाओं पर ही निर्भर हैं। एक बात और ध्यान देने की है। भारत में बूढ़ों की आबादी भी तेजी से बढ़ती जा रही है। इनके लिए भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना बेहद जरूरी है। यह तभी संभव है, जब सरकारी खर्च में बढ़ोतरी हो। इस मामले में केरल सरकार की नीति काफी अच्छी है। वहां बुजुर्गों की देखभाल करने वाली 1550 इकाइयां स्थापित की जा चुकी है। एक अध्ययन के मुताबिक स्वास्थ्य सेवाओंपर भारी खर्च देश के 5.5 करोड़ लोगों को हर साल गरीब बना रहा है। गरीबों को इलाज के लिए देश में आयुष्मान जैसी योजनाएं लागू हैं, लेकिन बहुतों को इसका भी लाभ नहीं? मिल पाता। उधर जिन लोगों का मेडिकल बीमा है, कंपनिया अब उनको भी परेशान कर रही हैं। कैशलैस के मामले ठीक से डील नहीं किए जाते। ज्यादातर मामलों को कोई न कोई बहाना बनाकर रिजेक्ट कर दिया जाता है। कोरोना प्रकोप के बाद यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। देश में स्वास्थ्य योजनाओं पर प्रभावी अमल के लिए, एक वैधानिक कानूनी ढांचा बेहद जरूरी है। आज जबकि भारत जबकि दुनिया में पहचान हासिल करना और विश्वगुरु का दर्जा पाना चाहता है, इसके हेल्थकेयर के मोर्चे पर प्रदर्शन और लोगों की अच्छी सेहत का देश की वित्तीय और आर्थिक विकास प्राथमिकताओं के साथ मजबूती से तालमेल बिठाने की जरूरत है। सभी नागरिकों के लिए सस्ती, गुणवत्तापूर्ण पब्लिक हेल्थकेयर सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना इस बजट और दीर्घकालिक वित्तीय विकास के रोडमैप में सरकार का मुख्य फोकस होना चाहिए।

नजरिया

अनिल ठाकुर

लेखक स्तंभकार हैं।

विपक्ष की दुविधा, लड़ाई मुद्दों से या मोदी से

2024 चुनाव सर पर है लेकिन दिशाहीन विपक्ष अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि वे जनता के सामने मुद्दों को लेकर जा रहे या मोदी हटाओं के नारे को। मोदी विरोध के नाम पर बने विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मोदी हटाओ नारे की अगुवाई करने वाले प्रमुख नेताओं में से नीतीश बाबू अब मोदी के साथ है, ममता बनर्जी कांग्रेस को ही 40 सीटे ही जीतने की चुनौती दे रही है, तीसरे मोर्चे का ख्वाब देखने वाले नेता चंद्रशेखर राव विधान सभा चुनाव हारकर अपने ही राज्य में अस्तित्व को बचाने में उलझ गए। अन्य राज्य स्तरीय नेता प्रारंभ से ही अपने प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से गठबंधन में शामिल हुए थे, वे अभी भी गठबंधन में अपनी शर्तो पर बने हुए है, अखिलेश यादव , स्टालिन, सोरेन, केजरीवाल जैसे नेता इसी श्रेणी में आते है। केजरीवाल की पार्टी अभी दो राज्यों में सत्ता पर काबिज है, राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद वे पूरे देश में पार्टी के विस्तार के लक्ष्य को निर्धारित कर एक एक कदम बड़ी सोची समझी रणनीति की तरह उठा रहे है। राहुल गांधी के बाद केजरीवाल ही एक ऐसे नेता है जो प्रधानमंत्री पद के लिए अपने को सबसे योग्य समझते है। लेकिन फर्क और ताकत यह है कि केजरीवाल अपनी रणनीति खुद बनाते है, जबकि राहुल गांधी चाटुकारों के भरोसे यह सपना पाले हुए है । वर्तमान हालात को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यदि 2024 में भाजपा पुनः सत्ता में आई तो, 2029 में उसके सामने चुनौती कांग्रेस नही वरन आप नेता केजरीवाल होंगे, बशर्त यह कि नए उभरते नेता चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर नई पार्टी बनाकर केजरीवाल के सामने न हो, क्योंकि दोनो की सोच और कार्यशैली एक जैसी है। गठबंधन की तीसरी प्रमुख पार्टी कम्युनिस्ट की लड़ाई सिर्फ और सिर्फ केरल में ही है और वह भी कांग्रेस से। राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिस्ट पार्टी कही कही सिर्फ वैचारिक स्तर पर ही जिंदा है, उसके सेक्युलर समर्थक मोमबत्ती जलाकर मार्च निकालने और इकबाल की नज्म हम देखेंगे दोहरा या लंबी चौड़ी कविताएं कवि गोष्ठियों में पढ़कर जिसकी समझ उस आदमी से बहुत दूर है जिसके लिए लिखी गई है, बड़ी क्रांति की उम्मीद लगाए बैठे है । इनमे से एक भी पार्टी ऐसी नही है जो सिर्फ राष्ट्रीय मुद्दों जैसे बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी को चुनौती देने की बात कर रही हो। कुछ नए मुद्दे जैसे जातिगत जनगणना, अखिलेश यादव के पीडीए वाले फार्मूले को मोदी ने पिछले एक महीने के दौरान लिए निर्णयों से भोथरा कर दिया। लोकतंत्र की हत्या, चुनाव आयोग, मीडिया और न्यायपालिका पर कब्जे को लेकर अनेकों तर्क दिए जाते समय वे लोग यह भूल जाते है कि इन्ही सब आरोपों में मिली सजा वे लोकतांत्रिक तरीके से खुद सत्ता से बेदखल होकर भुगत रहे है। किसानों और मजदूरों की हालत पर रोने वाले कभी उनकी झोपड़ी, झुग्गियों में जा कर देखे, टीवी, फ्रीज और दुपहिया वाहन उन्ही लोगों के पास है जो गरीबी की रेखा में आते है, जो इन्हें कही से दहेज में नही मिले है। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस का तो हमेशा छुपा हुआ एक ही एजेंडा है, किसी भी तरह एक बार पुनः सत्ता में आकर राहुल को पीएम बनाना। यदि इसी सोच को लेकर कांग्रेस चुनाव लड़ती रही तो यह दिवास्वप्न ही बन कर रह जायेगा। यह कहना तो अनुचित होंगा कि कांग्रेस पुनः कभी सत्ता में नही आयेंगी लेकिन गांधी परिवार से मुक्ति के बिना यह संभव नहीं दिखता। कांग्रेस का यह मानना कि वह आज भी देश की बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है जिसका प्रभाव पूरे देश में है एवं 12 करोड़ मतदाताओं ने उस पर भरोसा दिखाया था, गलत नही है। संख्या बल की दृष्टि से यह संख्या कम नहीं है, लेकिन जब आपका वोट बैंक बिखरा बिखरा हो तो 400 सीटों पर चुनाव लडने के बावजूद आपके खाते में सिर्फ 40 सीटे ही आयेंगी । कांग्रेस के पतन की रही सही कसर राहुल अपने बयानों से पूरी कर देते है, नीतियों से ज्यादा मोदी की व्यक्तिगत आलोचना करके। पिछले नौ वर्षो में वे एक भी मुद्दा ऐसा नहीं पकड़ पाए जो मतदाता को लुभा सके। फूल टाइम राजनेता ना होने के अपने ऊपर लगे आरोपों को उन्होंने भारत जोड़ा यात्रा के माध्यम से कुछ हद तक मिटाने का प्रयास किया था लेकिन विदेशों में दिए गए उनके विवादास्पद बयानों उस पर पानी फेर दिया। उनके कुछ प्रशंसक और राजनीतिक विश्लेषकों ने गठबंधन को इंडिया नाम देने पर ही राहुल को परिपक्व और चिंतनशील नेता बताने के साथ यह कहना शुरू कर दिया था कि मोदी को विपक्ष एकजुट होकर ही हरा सकता है । अब यही विश्लेषक यह तर्क दे रहे है कि यदि गठबंधन के दल एक दूसरे के विरुद्ध लड़ेंगे तो मतदाता का पास विपक्ष के रूप में गठबंधन का ही दल रहेगा और वह बीजेपी के पक्ष में वोट नही करेंगा। लेकिन दबी जुबान से वे यह स्वीकार्य करने लगे है कि एनडीए को बहुमत तो मिल ही जायेगा। तात्पर्य यह है की राहुल को दिग्भ्रमित उनके अपने समर्थक और चाटुकार ही करते है। कोई ठोस मुद्दा या विचार कही नजर नहीं आता और यदि है भी तो सिर्फ कागज और वक्तव्यों में।

विपक्ष कमजोर है इसलिए यह कहा जाए कि मोदी की जीत निश्चित है, यह भी अनुचित होंगा। जीत और हार का निर्णय तो मतदाता ही करेंगे और वह भी परिणाम आने पर, लेकिन जीत के लिए जो संकल्प, ललक और रणनीति होनी चाहिए, वह मतदाता को नजर आनी चाहिए। दुष्यंत कुमार का शेर एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारो, दिन में पांच बार गाने से आसमान में सुराख नही हो जाता है। आसमान में सुराख करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति चाहे वह मुद्दों के रूप में हो चाहे रणनीति के, आम जनता को महसूस होना चाहिए कि वह उसके हित में है। मोदी सिर्फ अपने मुद्दे और रणनीति ही तय नही करते, वे विपक्ष के मुद्दों को भी अपना हथियार बना लेते है। वे जैसे चाहे विपक्ष को उनकी पिच पर खेलने के लिए मजबूर कर देते है, और यदि विपक्ष उसकी पिच पर लाने की कोशिश करता है तो उसे अपनी बनाकर मैदान को बिखेर देते है। जातिगत जनगणना और पीडीए के मुद्दे को उन्होंने किस रणनीति से नेस्त नाबूद किया, यह उदाहरण सामने है। कर्पूरी ठाकुर चौ.चरणसिंह और नरसिम्हा राव को भारत रत्न एवम मुलायम सिंह यादव को पद्म भूषण देने का निर्णय इसी रणनीति का हिस्सा कहा जा सकता है। चुनाव के वक्त क्या कोई नेता यह साहस कर सकता है कि अपनी विरोधी विचारधारा के किसी राजनेता को देश के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित करने का निर्णय ले सके। गणतंत्र दिवस के पूर्व अडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा करने बजाय बाद में इसकी घोषणा करने के पीछे क्या उद्देश्य है, क्या इस पर किसी ने ध्यान दिया। ऐसा तो नहीं है कि यह निर्णय उन्होंने बाद में लिया होगा । इन तीन नेताओं को भारत रत्न देने को कुछ बुद्धिजीवी भारत रत्न का अवमूल्यन बता रहे है, वे यह भूल जाते है कि सचिन तेंदुलकर और बिस्मिलाह खां के लिए भी यही कहा गया था। चुनाव के वक्त इन हस्तियों को यह सम्मान प्रदान करने पर नैतिकता का सवाल भी उठाया जा रहा है। राजनीति की डिक्शनरी में अब नैतिकता शब्द बचा भी है क्या? भ्रष्टाचार में सजा याफ्ता जब नेतृत्व की अगुआई करें तो किस मुंह से नैतिकता की बात होंगी। यह सच है आज भाजपा भी उन्ही रास्तों से गुजर रही है जो कांग्रेस ने बनाए थे, हो सकता है कुछ वर्षो बाद भाजपा को भी इसके परिणाम भुगतने पड़े। यही नहीं यदि राजनीतिक चाल चलन इसी तरह रहा तो 10/15 वर्षो बाद किसी सत्ताधारी को बेदखल करने के लिए भाजपा और कांग्रेस को गठबंधन करना पड़े तो आश्चर्य नहीं होंगा। राजनीति में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, तब भी लोकतंत्र को तो बचाना ही होंगा, मगर अभी लक्ष्य 2024 का चुनाव है। जब विपक्षी गठबंधन बना था तो यह कहा जाने लगा था कि अब सत्ता परिवर्तन निश्चित है । अभी तो गठबंधन का भविष्य ही खतरे में है। जनाब आसमान में सुराख ऐसे ही नही हो जाता, उसके लिए इच्छा शक्ति, संकल्प की जरूरत होती है। सत्ता के इस स्वयंवर में कई महारथी है, कौन योग्य है, इसका निर्धारण तो आम मतदाता ही करेंगे।

विश्व रेडियो दिवस पर विशेष

मनोज कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

नागर समाज से समुदाय का रेडियो

कभी नागर समाज के लिए प्रतिष्ठा का प्रतीक होने वाला रेडियो आज समुदाय के रेडियो के रूप में बज रहा है। समय के विकास के साथ संचार के माध्यमों में परिवर्तन आया है और उनके समक्ष विश्वसनीयता का सवाल खड़ा है तो रेडियो की विश्वसनीयता के साथ उसका प्रभाव भी समूचे समाज पर है। ऑल इंडिया रेडियो से आकाशवाणी का नाम धर लेने के बाद एफएम रेडियो और सामुदायिक रेडियो की दुनिया का अपरिमित विस्तार हुआ है। करीब ढाई सौ वर्षों से प्रिंट मीडिया का एकछत्र साम्राज्य था जिसे कोई पांच दशक पहले इलेक्ट्रानिक मीडिया के आगमन के साथ चुनौती मिली। इन माध्यमों के साथ रेडियो का संसार अपने आप में अकेला और अछूता था। अपने जन्म के साथ रेडियो प्रामाणिक एवं उपयोगी रहा है और नए जमाने में रेडियो की सामाजिक उपयोगिता बढ़ी है। रेडियो क्यों उपयोगी है और रेडियो की दुनिया किस तरह बढ़ती गई है, इसके बारे में विस्तार से चर्चा करना जरूरी होता है। महात्मा गांधी से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों तक पहुंचने के लिए संचार माध्यम में रेडियो को चुना। रेडियो अपने जन्म से विश्वसनीय रहा है। सुभाष बाबू का रेडियो आजाद हिन्द हो या आज का ऑल इंडिया रेडियो। प्रसारण की तमाम मर्यादा का पालन करते हुए जो शुचिता और सौम्यता रेडियो प्रसारण में दिखता है, वह और कहीं नहीं। मौजूं सवाल यह है कि रेडियो प्रसारण सेवा का आप कैसे उपयोग करते हैं? इस मामले में महात्मा गांधी से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो अभिनव प्रयोग किया है, वह अलहदा है। गांधीजी ने रेडियो को शक्तिशाली माध्यम कहकर संबोधित किया था और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे चरितार्थ कर दिखाया। संचार के विभिन्न माध्यमों के साथ मोदीजी का दोस्ताना व्यवहार रहा है लेकिन रेडियो प्रसारण के साथ वे मन से जुड़ते हैं।

शुरूआती दौर में रेडियो सामान्य दिनचर्या का एक हिस्सा बना हुआ रहता था, वहीं देश और दुनिया से जोड़े रखने का भी यही एक माध्यम था। मोबाइल का दौर आया और रेडियो बाजार से गायब हो गए। हालांकि संचार की इस दौड़ में बने रहने के लिए रेडियो बन गए अब मोबाइल रेडियो। लेकिन वर्ष 2014 के बाद मोबाइल रेडियो में बड़ा बदलाव देखा गया जब 3 अक्टूबर, 2014 को ऑल इंडिया रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू किया कार्यक्रम 'मन की बात'। इस कार्यक्रम की शुरुआत करने का मकसद भारत में एक बार फिर लोगों का ध्यान रेडियो की ओर लाना तो था ही साथ ही जनता से रेडियो के जरिए संवाद कर जनता के मुद्दों पर बातचीत करना भी था। इसका असर यह हुआ कि जहां जनता पहले तक खास मौकों पर ही रेडियो सुना करती थी वही नरेंद्र मोदी के मन की बात के शुरू होने के बाद तक भी जनता इस कार्यक्रम से जुडी हुई है।

यह सवाल स्वाभाविक है कि संचार के विभिन्न साधनों में रेडियो की उपयोगिता क्यों बनी हुई है? वजह साफ है कि रेडियो का प्रभाव व्यापक है लेकिन रेडियो के संचालन के लिए सीमित संसाधन चाहिए। रेडियो के लिए सबसे सुविधाजनक पक्ष यह है कि रेडियो सुनने के लिए किसी श्रोता का साक्षर होना जरूरी नहीं है लेकिन रेडियो सुनकर एक श्रोता साक्षर हो सकता है। दूसरा यह कि रेडियो का एक विकल्प भी होता है जिसे हम ट्रांजिस्टर कहते हैं। यह एक तरह का मोबाइल यंत्र होता है और महज दो-चार बैटरी डाल कर इसे संचालित किया जा सकता है। यह रखने में भी सुविधाजनक होता है अतः किसान खेत में, मजदूर अपने काम की जगह पर और रेडियो के शौकीन रास्ते में सुन सकते हैं। रेडियो आम आदमी के लिए इसलिए भी सुविधाजनक है कि इंटरनेट, बिजली और बड़े बजट इस पर खर्च करना नहीं होता है। बहुत छोटे बजट में रेडियो खरीदा जा सकता है और बिना तामझाम के इसे संचालित किया जा सकता है।

रेडियो और आकाशवाणी एक दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। रेडियो का उल्लेख होते ही हमें आकाशवाणी का स्मरण हो आता है। लेकिन व्यवहारिक तौर पर रेडियो की दुनिया भी बदल चुकी है। अब रेडियो के तीन प्रकार हैं जिसमें प्रथम सरकारी रेडियो जिसे हम आकाशवाणी कहते हैं और दूसरा एफएम रेडियो एवं तीसरा सामुदायिक रेडियो कहलाता है। रेडियो एक ही है लेकिन इसकी उपयोगिता अलग-अलग है। रेडियो अर्थात आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम प्रामाणिक होते हैं क्योंकि इस पर सीधा-सीधा भारत सरकार का नियंत्रण होता है।

भारत सरकार के नियंत्रण में ही एफएम रेडियो संचालन की अनुमति मिलती है लेकिन इस पर कई बंदिशें हैं। मसलन, अभी तक एफएम रेडियो पर समाचार प्रसारण की अनुमति नहीं है और ना ही ऐसे किसी कार्यक्रम प्रसारण की अनुमति है जो समाज को प्रभावित करते हों और कदाचित शांति भंग होने का खतरा बना हो। वर्तमान समय में एफएम रेडियो का उपयोग विशेषकर मनोरंजक कार्यक्रमों तक सीमित है। हालांकि अनेक प्रायोजित कार्यक्रमों के माध्यम से सूचना देने का कार्य एफएम रेडियो करता है। एफ एम रेडियो का पूरा मॉडल कामर्शियल है और इसकी आय का जरिया भी विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से होता है। एफएम के कार्यक्रम प्रस्तोता को आरजे अर्थात रेडियो जॉकी या एमजे अर्थात म्यूजिक जॉकी संबोधित किया जाता है।

वर्ष 2006 से भारत में सुप्रीमकोर्ट के अहम फैसले के पश्चात सामुदायिक रेडियो का प्रसारण आरंभ हुआ। सामुदायिक रेडियो जिसे हम अंग्रेजी में कम्युनिटी रेडियो भी कहते हैं का अर्थ है कि समुदाय द्वारा समुदाय के लिए समुदाय पर कार्यक्रम का निर्माण करना। भारत जैसे महादेश के लिए कम्युनिटी रेडियो वरदान है। तमाम विकास की संरचनाओं के बाद भी देश के अनेक अंचल ऐसे हैं जहां संचार सुविधाओं का अभाव है। उन्हें समय पर अपने हित की सूचना नहीं मिल पाता है। कई बार तो आपदा के समय वे अकाल मुसीबत में फंस जाते हैं क्योंकि संचार सुविधा के अभाव में जानकारी नहीं मिल पाने के कारण वे स्वयं को सुरक्षित नहीं कर पाते हैं। देश का पहला कम्युनिटी रेडियो अन्ना रेडियो को कहा जाता है। कम्युनिटी रेडियो की उपयोगिता सघन बस्ती से अलग दूर-दराज इलाकों के लिए ज्यादा उपयोगी होता है। खासतौर पर समुद्र के किनारे रहने वाले समुदाय या जंगलों में जीवन बसर करने वाले समुदाय। भारत सरकार की नीति में कम्युनिटी रेडियो की अनुमति दूर-दराज के इलाकों में देना रही है। शहरी और अर्द्धशहरी इलाकों में कम्युनिटी रेडियो संचालन की अनुमति नहीं दी जाती है।

देश में सर्वाधिक कम्युनिटी रेडियो स्टेशन अगर किसी राज्य के पास है तो वह मध्यप्रदेश है। राज्य शासन के जनजातीय कार्य विभाग के उपक्रम वन्या ने सुदूर ग्रामीण अंचलों में आठ कम्युनिटी रेडियो की स्थापना की। इसके अतिरिक्त स्वाधीनता संग्राम पर केन्द्रित एकमात्र कम्युनिटी रेडियो 'रेडियो आजाद हिन्द' की स्थापना की गई। इसके उपरांत एशिया के प्रथम पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के बिशनखेड़ी स्थित परिसर में 'रेडियो कर्मवीर' की स्थापना की गई। यह कैम्पस रेडियो नहीं होकर कम्युनिटी रेडियो का स्वरूप है। इस तरह मध्यप्रदेश के पास दस कम्युनिटी रेडियो है। इन कम्युनिटी रेडियो स्टेशनों में कार्य करते हुए मुझे जमीनी अनुभव हासिल हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामुदायिक रेडियो मॉडल से जोड़कर देखता हूं। भारत जैसे महादेश में अनेक ऐसे लोग हैं जो गुमनामी का जीवन जी रहे हैं लेकिन उनका काम, उनकी सफलता की कोई चर्चा नहीं होती है। ऐसे में कोई कारीगर, कोई किसान, कोई महिला जब प्रधानमंत्री से बात करती है तो उसकी कामयाबी ना केवल सामने आती है बल्कि ये लोग और आगे बढने का हौसला पाते हैं। हमारे भारतीय समाज में परीक्षा प्रतिभा मूल्यांकन के स्थान पर भय का वातावरण निर्मित करता है और बच्चे फेल होने के डर से कई बार जान देने तक उतारू हो जाते हैं। इन बच्चों के भीतर साहस जगाने के लिए और परीक्षा से भयभीत ना होने का मंत्र मोदीजी देते हैं तो ज्यादतर बच्चों के भीतर का डर पूरी तरह भले ही खत्म ना हो लेकिन कम तो जरूर हो जाता है। परीक्षा देने जाने से पहले हम उस अदृश्य शक्ति से पास हो जाने की कामना करते हैं क्योंकि हमारी पीठ पर हाथ रखकर हमें हौसला देने वाला कोई नहीं होता है। समाज का कोई भी तबका इस बड़ी समस्या पर कभी कोई पहल करने की जरूरत नहीं समझा इसलिये परीक्षा का भूत हमेशा हावी रहा लेकिन मोदीजी ने एक पालक की भूमिका का निर्वहन किया तो सारा का सारा मंजर ही बदल गया। 'मन की बात' के जरिए मोदीजी ने बड़ी ही खामोशी के साथ बाजार को बदल दिया। कम्युनिटी रेडियो का वैसे तो कोई रेवेन्यू मॉडल नहीं है लेकिन सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार प्रत्येक एक घंटे के प्रसारण में पांच मिनिट विज्ञापन प्रसारण की अनुमति देता है। इसके लिए सरकार द्वारा चार रुपये प्रति सेकंड की दर तय की गई है। बंधन यही है कि विज्ञापन सामाजिक चेतना जगाने वाला हो ना कि व्यवसायिक।

हसीन हो रही हैं सबकी रातें

कटाक्ष

सुरेश सौरभ

लेखक व्यंग्यकार हैं।

रूठे हुए लोगों को मनाने सीजन शुरू हो चुका है। चुनावी मेंढकों की टर्र-टर्ट टिक-टिक शुरू हो चुकी है। कभी रफीक सादानी ने कहा था-जब चुनाव नगीचे आवत है, भात मांगो पुलाव आवत है।

रंगबिरंगी पुलाव-सालन खाने की हर ओर-जोर आजमाइश शुरू हो चुकी है। हर ओर डील, कहीं डील डौल देखकर हो रही है, कहीं जाति धर्म का रूतबा देखकर हो रही है।

पिछले दिनों एक नेता ने ऐसा गिरगिट सा ऐसा रंग बदला, ऐसा पाला बदला कि लोग उसे चाचा 420 कहने लगे। चाची-420 की तरह उस पर, भी पूरी पिक्चर बन रही है, वैसे भी पार्टी के, बदलते नेताओं के तेवरों के नए-नए वेरिएंट मार्केट में आने शुरू हो चुके हैं।

पिछले दिनों एक महानगर में पार्टी छोड़ चुकी एक महिला नेता को अपने खेमे में लाने के लिए तमाम नेताओं ने एक भव्य आयोजन किया। उस महिला नेता का लोग माल्यार्पण कर सामूहिक स्वागत कर रहे थे। मान-सम्मान कर रहे थे। कोई हाथ मिला रहा था, कोई महिला को टीका लगा रहा था। कोई पार्टी का दुपट्टा ओढ़ा रहा था। ऐसा लग रहा था, जैसे साक्षात् देवी के सम्मान में भक्त भाव-विह्वल हो रहे हो। राजनीति में मतलब के लिए गधे को बाप बनाना कोई नई बात नहीं है, पर जब किसी को मतलब के लिए मंच पर देवी बना कर तमाम मर्द बारी-बारी उसे सम्मानित करने लगते हैं, तब ऐसा लगता है कि जैसे अब कलयुग से सतयुग आ गया हो।

पहले कुछ नेता बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को, बेटी पटाओ बोल दिया करते थे, पहले तेल मालिश कराने वाले, हालीवुड टक्कर की अपनी पिक्चर बनवाने वाले, सीडी बनवाने वाले कुछ नेता हुआ करते थे, पर अब तो ऐसा बिलकुल नहीं है, अब तो हर ओर सुख ही सुख है, हर ओर शांति ही शांति है। सबका साथ, सबका सम्मान है। सब नेता हरिश्चंद्र जैसे हो रहे हैं। अब सब नेता देश के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, चूंकि युग रामराज्य का आ गया है।

ऐतिहासिक त्याग करते हुए कुछ नेता तो अपनी पत्नी छोड़कर, अपनी शादी न करके 18-18 घंटे देश की तरक्की के लिए काम पर लगे हुए हैं। सबके दिन अच्छे आ गये, सबकी रातें हसीन-रंगीन हो रही हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य...

प्रभुनाथ शुक्ल

(व्यंग्यकार एवं लेखक)

इजहार-ए-इश्क में बाँकेलाल की लाइव बेलन पिटाई

बसंत के मौसम में बांकेलाल के चेहरे की रौनक बौराई अमराई और गदराई सरसों की तरह दिख रहीं थी। आमतौर पर उनके चेहरे की रौनक बुझी सी दिखती थी। 'वेलेंटाइन दिवस' पर मसाज पार्लर से निकलते देख हमने उन्हें छेड़ ही दिया। क्या हाल हैं जनाब ! आजकल बदले-बदले से दिख रहे हैं। क्या इरादा है 'वेलेंटाइन' की बिजली किस पर गिरेगी ?...अरे ! आप तो पचपन में भी बचपन से लग रहे हैं।

बांकेलाल ने कहा हूँ, आप भी पूरे बुडबक् हैं जी। अरे क्या गुनाह कर डाला हमने खबरीलालजी। वह बोल पड़े, अरे! बसंत का मौसम है, आपको कुछ दीखता नहीं। आँख के अंधे हैं क्या सावन में भी हरियाली नहीं दिखती। मुझ पर तंज कसते हुए बोले, 'अन्हरा बांटे सिन्नी देख-देख'। दुनिया की खबर आप लेते हैं और बदले मौसम का हाल मुझसे पूछते हैं।

बांकेलाल ने कहा देखिए, वैसे भी हमारे यहाँ चार ऋतुएं होती हैं। गर्मी, जाड़ा और बरसात, लेकिन उसमें भी कई उप ऋतुएं होती हैं। आपको महाकवि जायसी के बारे में पता ही होगा। उन्होंने 'चौमासा' को 'बारहमासा' बना दिया और प्रेम के महाकाव्य 'पद्ममावत' की रचना कर डाली। आपको शायद पता नहीं है खबरीलालजी, अपने मुलुक में अपनी जरुरत के अनुसार फ़िजाएं बनायी और बिगाड़ी जाती है यानी मन मुताबित 'बसंत' तैयार किया जाता है।

अब देखिए रोज-डे, चाकलेट-डे, टैडी बियर-डे, प्रॉमिस-डे, हग-डे, किस-डे और वेलेंटाइन-डे जैसे अनगिनत 'डे' हैं जनाब। वैसे भी अपनी इच्छा के अनुसार मौसम बनाए और बिगाड़े जाते हैं। देश में लोकतंत्र है यहाँ सबको अपने-अपने इजहार की आजादी है। वैसे भी आजकल लोगों को आजादी से कुछ अधिक ही इश्क हो गया है। जब भी जी करता है आजादी... आजादी करने लगते हैं।

खबरीलालजी, हमारे देश में अनेका नेक दिन और मौसम होते हैं। जैसे प्रदर्शन-डे, आंदोलन-डे, चुनावी-डे, एग्जाम-डे, बड्डु-डे, एनवरसरी-डे, अनशन-डे, मैरिज-डे आदि। अब हम आपको जीवी और जीविता का उदाहरण समझाते हैं। हमारे आसपास बुद्धजीवी के साथ-साथ काफी संख्या में 'कांदा' और 'बटाटाजीवी' भी हैं। हमारी युवा पीढ़ी 'डाटाजीवी' हो गई है। हमारे आसपास तो काफी 'परजीवी' भी विद्यमान हैं। हालांकि हमारे बांकेलाल जी 'भाषणजीवी' प्रजाति से आते हैं।

'वेलेंटाइन-डे' पर अपनी 'भाषणजीविता' को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा देखिए, खबरीलालजी ! वैलेंटाइन-डे यानी 'इजहार-ए-इश्क' की तैयारियां जोरों पर हैं। 'इश्कजीवी' अभी से खुद को 'प्री-प्लांड' में लगा रखा है। मसलन मासूका से किस होटल, रिशॉर्ट, बीच और पार्क में मिलाना है उसकी तैयारी में लगे हैं। अपनी 'लैला' को किस अंदाज में गुलाब देना है और 'इश्क' का इजहार किस अनूठे किस्म से करना है जैसे विषयों सब पर 'रिहर्सल' शुरू हो गया है।कई 'इश्कजीवियों' ने तो चुनावों की तरह बाकायदा 'लव प्रोफ़ेशनलों' को 'हायर' कर लिया है।

उधर शहर के 'सांस्कृतिक रक्षादल' के लोग भी छुट्टे सांडो की तरह अखाड़ रहे हैं। उन्होंने इश्कजीवियों के लिए 'हज्जाम' के साथ 'गधे' भी ले रखे हैं। साल के 365 दिन बांकेलाल को कोई कभी भी 'इजहार-ए-इश्क' से नहीं रोकता। वे खुलेमन से 'इश्कजीवी' परम्परा को आगे बढ़ाते हुए शहर की चलती मेट्रो, पार्क, बीच और सड़क पर खुलेमन से 'संत वैलेंटाइन' की आराधना में समर्पित रहते हैं। लेकिन तब कभी उन्हें किसी 'संस्कृति रक्षकजीवि' ने नहीं रोका। लेकिन सत्ता विरोधियों की तरह आजकल 'इश्क विरोधियों' की भी फौज तैयार हो गई है। 'संत वैलेंटाइन' का मिशन आगे बढ़ता नहीं देखना चाहती। वह इश्कजीवियों को देखते ही पिल पड़ती है। वे सरकार की 'एफडीआई' नीति को भूल 'स्वदेशी' बन जाते हैं।

अब क्या बताएं 'वैलेंटाइन-डे' पर बेचारे बांकेलाल अपने कालेज की एक सहपाठी को वैलेंटाइन का गुलाब देने पार्क में पहुंच गए। कालेज के दिनों की मासूका को जैसे ही गुलाब भेंट कर बीते दिनों की याद करना चाहा तभी 'सिर मुड़ाते ही ओले पड़' गए। बेचारे बांकेलाल 'संस्कार' और 'संस्कृतिवादियों' के राडार पर आ गए। फिर क्या था धुनाई के बाद सिरमुड़ाई हुई और कालीखपोत 'गधे' पर बिठा जुलूसजीवि बना दिया गया। इश्कजीविता वीडियो भी 'सोशलमीडिया' पर वायरल होने लगा। कुछ घंटों में यह वीडियो बांकेलाल की धर्मपरायाण पत्नी यानी भाभी जी के मोबाइल तक पहुंच गया।

अब घर में दाखिला लेते ही बेचारे बांकेलाल का इश्कियाँ वाला भूत उतर चुका था। भाभी ने वायरल वीडियो दिखा कर सवालों की झड़ी लगा दिया। 'वेलेंटाइन' के विशेष अवसर को देखते हुए बांकेलाल जैसे पतियों से पीड़ित भाभियों के ग्रुप ने 'वेलेंटाइन-डे' पर विशेष 'बेलन बेबिनार' का आयोजन किया था। अब बांकेलाल का 'वेलेंटाइन-डे' 'बेलन-डे' में तब्दील हो चुका था। बेलन हमले का सीधा प्रसारण हो रहा था। इश्क में लुटे-पीटे बेचारे बांकेलाल की पिक्चर बिगड़ चुकी थी। 'इश्कजीविता' के लाभ हेतु उनका अस्पताल में दाखिला हो चुका था। 'इश्क' में लुटे पीटे बांकेलाल ने 'वेलेंटाइन-डे' से ताउम्र तौबा-तौबा करने की कसम खाई थी।

दृष्टिकोण

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

समस्त सृष्टि का आधार है प्रेम

प्रेम की कोई एक परिभाषा नहीं होती, प्रत्येक व्यक्ति के सोच, विचार और स्वभाव के अनुसार प्रेम के अनेक अर्थ होते हैं। प्रेम एक शाश्वत भाव है जो कल भी था, आज भी है और हमेशा रहेगा क्योंकि प्रेम से ही समस्त दुनिया सुगंधित है। संसार में प्रेम एक ऐसा शब्द है जो सृष्टि को जीवंत रखने में सहायक होता है। प्यार की ताकत ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत मानी गयी है। ख़ासकर इस दौर में जब नफ़रत ने पूरी दुनिया को जकड़ना शुरू कर दिया है। इस दौर में दुनिया में प्रेम का प्रसार अत्यधिक आवश्यक हो गया।

वर्तमान दौर को देखें तो दुनिया में नफ़रत बढ़ने के बाद युद्ध होने लगे हैं और विभिन्न देशों में धार्मिक कट्टरता इतनी बढ़ रही है जो कि इंसान को नफ़रत की आग में झुलसाती जा रही है। इन सभी विपदाओं का समाधान प्रेम से किया जा सकता हैं क्योंकि प्रेम बलिदान सिखाता है, हिंसा करना नहीं सिखाता। प्रेम की शक्ति नफ़रत की ताक़त से हज़ारों गुना प्रभावशाली होती है। प्रेम एक ऐसा रास्ता है जो कि मस्तिष्क को नहीं, हृदय को छूता है। मार्टिन लूथर किंग कहते हैं- 'अंधकार से अंधकार नहीं मिटाया जा सकता, यह कार्य प्रकाश ही कर सकता है। इसी तरह नफ़रत से नफ़रत को ख़त्म नहीं किया जा सकता, प्यार से किया जा सकता है। प्यार ही एक ऐसी ताकत है जो दुश्मन को दोस्त बनाने में सक्षम है।'

प्रेम एक अलौकिक अहसास है, जिसे जितने भी शब्दों में बाँधा जाये, कम ही है। प्रेम वह शब्द है जिसकी व्याख्या असंभव है पर इसमे जीवन छुपा है। प्रकृति के कण-कण में प्रेम समाया है। जो प्रेम में है वह निश्चित ही कुछ भी कर सकता है, क्योंकि प्रेम में वह उर्जा होती है जो किसी भी जीव को सक्रिय और सजग बना देती है। यह प्रेम की ऊर्जा हमें सतत नवीन करने हेतु अग्रसर करते चली जाती है। प्रेम की ऊर्जा से ही प्रकृति निरंतर पल्लवित, पुष्पित और फलित होती है। हर रिश्ते में प्यार होना बेहद जरूरी है, क्योंकि बिना प्यार और सम्मान के रिश्ते नहीं चल सकते हैं। कवियित्री मोनिका राज प्रेम के बारे में अपनी पंक्तियों में लिखती है -

'इश्क़ हवाओं में कुछ यूँ घुल जाए
कि साथ अपना मुक़म्मल हो जाए,
जब थोड़ा-थोड़ा तुम 'मैं' हो जाओ
जब थोड़ा-थोड़ा मैं 'तुम' हो जाऊं।'

हमारी जिंदगी में प्यार की बहुत महत्ता है। लेकिन प्यार क्या है? इसका अर्थ क्या है? इस बारे में हम लोगों की अपनी-अपनी विचारधारा है। जिस व्यक्ति के जैसे विचार होते हैं उसे प्यार का वैसा ही अर्थ मिलता है। माता-पिता, दोस्त, भाई-बहन, अध्यापक आदि सबसे हमें प्यार मिलता है। ये हमारी सोच ही है कि हम इसे किस नजरिए से देखते हैं। रवींद्रनाथ टैगोर ने कहा है- 'प्रेम केवल एक भावना नहीं, एकमात्र वास्तविकता है। यह सृष्टि के हृदय में रहने वाला अंतिम सत्य है।'

वास्तव में प्यार एक ऐसा शब्द है, जिसमें कुदरत की कोमल भावनाएं छिपी है। प्रेम एक ऐसी नदी है जो कभी समाप्त नहीं होती और इसमें लाखों लोग अपने रास्तों की तलाश करते हैं। प्रेम तो परमात्मा की समीपता का आभास कराता है। प्रेम की डोर पकड़कर हम ईश्वर तक पहुंच सकते हैं। जिसने प्रेम का मर्म जान लिया फिर उसे और कुछ जानने की आवश्यकता नहीं। एरिक फ्रॉम कहते हैं- 'मानव अस्तित्व की समस्या का संतोषजनक और समझदारी भरा जवाब सिर्फ प्रेम है।'

आकर्षण का अपना फ़लसफ़ा है। प्रेम के इसी जज़्बे को त्यौहार पर्व या उत्सव रूप में वेलेंटाइन डे के रूप में भी मनाया जाते रहा है। हालांकि प्रेम का न कोई दिवस होता है और न ही समय। हमारे बीच प्रेम सदैव बने रहना चाहिए। अब वसंतोत्सव से 21 वीं सदी तक प्रेम के इलाके में भारी तब्दीलियां हुई हैं। मोहब्बत का इज़हार करने का रूप भी बदला है। आज अकल्पनीय तकनीकी विकास के साथ जिंदगी की रफ्तार सौ गुनी बढ़ गई और हम चाहते हैं कि प्यार संस्कृत युगीन ही रहे । पुराकाल की लजीली, सजीली अवगुंठिताएं अब कहां! जिनके पदाघात से अशोक फूलता था। लोग ठहरकर जिंदगी का रस लेते थे।

ओशो ने कहा है- 'प्रेम शाश्वत है लेकिन उसे स्थायी बनाने की कोशिश में तुम उसे मार डालते हो।' शाश्वत का अर्थ है- जो निरंतर हो। जो निरंतर होगा वह स्थायी नहीं हो सकता क्योंकि स्थायी में निरन्तरता नहीं होती। शाश्वत अर्थात नित नूतन, नित नवीन प्रेम अस्थायी है। प्रेम शाश्वत है। वह रोज नए कलेवर में है। उसे स्थायित्व में बंधने कि कोशिश मत करो, नहीं तो वह मर जायेगा, सड़ जायेगा।

साहित्यकारों का मानना है कि प्यार किया नहीं जाता, हो जाता है। प्यार में कोई जोर-जबरदस्ती नहीं चलती। प्यार में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं। जिस तरह एक लंबे समय तक चलने वाले रिश्ते को बनाने के लिए प्यार जरूरी है, उसी तरह स्नेह भी। बिना प्यार के प्यार किसी भी रिश्ते को नीरस और बेजान बना सकता है। दूसरे व्यक्ति के प्रति स्नेह दिखाना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यह हर रिश्ते के लिए सच है। यह एक खुशहाल रिश्ते की कुंजी है। उदाहरण के लिए, माता-पिता अपने बच्चों से प्यार करते हैं। वे बलिदान करते हैं और अपने बच्चों के प्रति निस्वार्थ भाव से उनके प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। प्यार किसी भी रिश्ते का आधार बनता है, एक खुशहाल रिश्ते के लिए प्यार की भावना ही काफी नहीं है। एक रिश्ते को पोषित करने के लिए कई अन्य चीजों की आवश्यकता होती है। मिसाल के तौर पर,माता-पिता को अपने बच्चों से प्यार करने के अलावा उनके बच्चों को सुरक्षा और सुरक्षा की भावना प्रदान करनी चाहिए।

प्यार बहुत सुकोमल और गुलाबी रिश्ता है, छुई-मुई की नाजुक पत्तियों की तरह। अंगुली उठाने पर कुम्हला जाता है यह रिश्ता। इसलिए प्यार करने से पहले अंतर्मन की चेतावनी व परामर्श सुनना, समझना और स्वीकार करना नितांत जरूरी है। अटूट प्यार के लिए उसकी बुनियाद में कुछ विशिष्ट भावों का होना आवश्यक है। सच्चाई, ईमानदारी, परस्पर समझदारी, अमिट विश्वास, पारदर्शिता, समर्पण भावना और एक-दूजे के प्रति सम्मान जैसे श्रेष्ठ तत्व प्यार की पहली जरूरत है। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है जब वे अपनी सभी जिम्मेदारियों को ठीक से पूरा करें। दूसरी ओर बच्चों को न केवल अपने माता-पिता से प्यार करना चाहिए, बल्कि एक स्वस्थ संबंध बनाने के लिए उनका सम्मान करना चाहिए। प्यार लोगों को करीब लाता है और किसी भी रिश्ते को खूबसूरत बनाने की ताकत रखता है। हमें प्यार के महत्व को पहचानना चाहिए और रिश्तों में इसे व्यक्त करने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए।

भोगवादी संस्कृति में पल रहा युवा भावों की गहराई को समझ ही नहीं पाता। प्रेम के लिए इस तरह की सोच कितनी सही और कितनी गलत है, इसका फैसला भी खुद युवाओं को ही करना होगा। हम अक्सर देखते हैं कि भारत में प्रेम युगल को हीन भावना से देखा जाता है। प्रेम या प्रणय को हमेशा टैबू या वर्जना बनाकर पेश किया गया है। एक समाज या समुदाय तब अच्छी तरह से कार्य करता है जब उनमें एकजुटता और प्रेम की भावना होती है। जिस समाज में हर कोई एक-दूसरे से नफरत करता हो और दूसरों का विकास न देख पाता हो, वह कभी तरक्की नहीं कर सकता। अतः किसी भी समाज या राष्ट्र की प्रगति के लिए यह अत्यंत आवश्यक है कि लोग एक-दूसरे से प्रेम करें। प्रेम विभिन्न जाति, नस्ल, लिंग, समुदाय, धर्म, क्षेत्र आदि के लोगों को एकता के सूत्र में बांधेगा। प्रेम सभी भावनाओं में सबसे गहरा और सबसे सार्थक है।

प्रणय बिना न सृष्टि का अस्तित्व है न कलाओं का प्रेम करने से कोई पापी नहीं हो जाता। विदेशों की तर्ज पर बेशक लवर्स जोन न हों पर संयमित तौर पर इज़हार-ए- मोहब्बत की इजाज़त मिलनी चाहिए। फूल की अस्मिता भावना के रंगों से मिलकर मन के आसमान में निश्चय ही इंद्रधनुष खिला सकती है। प्रेम के प्राकृतिक प्रवाह को निर्बाध रूप से बह जाने दे प्रेम की गंगा को निश्चय ही महक उठेगा आपका जीवन। प्रेम जीवन का स्नेहक है, और प्रेम के बिना, जीवन की मशीनरी घर्षण से गर्म हो जाएगी और 'जब्त' हो जाएगी; लेकिन प्रेम उन अन्य गुणों का विकल्प नहीं है जो संपूर्ण मानव अस्तित्व के निर्माण के लिए जाते हैं।

'समस्त सृष्टि का आधार हैं प्रेम
सहज, स्वस्फूर्त, निर्विकार है प्रेम
देता है हृदय को अद्भुत प्रेरणा
मन से अंधकार मिटाता है प्रेम।'

वसंत पंचमी

डॉ. तेज प्रकाश व्यास

मां सरस्वती की पूजा अर्चना विधि

वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है । पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष माघ माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से ज्ञान, विद्या, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, वीणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विषेश पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। शास्त्रों के अनुसार वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं साल 2024 में सरस्वती पूजा यानी वसंत पंचमी की तिथि, पूजा का मुहूर्त और संपूर्ण पूजन विधिः

पंचांग के अनुसार माघ महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 13 फरवरी को दोपहर 02 बजकर 41 मिनट से हो रही है। अगले दिन 14 फरवरी को दोपहर 12 बजकर 09 मिनट पर इसका समापन होगा। उदया तिथि 14 जनवरी को प्राप्त हो रही है, इसलिए इस साल वसंत पंचमी का पर्व 14 फरवरी को मनाया जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

14 फरवरी को वसंत पंचमी वाले दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 1 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस दिन पूजा के लिए आपके पास करीब 5 घंटे 35 मिनट तक का समय है।

वसंत पंचमी की पूजा विधि

वसंत पंचमी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होकर पीले या सफेद रंग का वस्त्र पहनें। उसके बाद सरस्वती पूजा का संकल्प लें।

पूजा स्थान पर मां सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। मां सरस्वती को गंगाजल से स्नान कराएं। फिर उन्हें पीले वस्त्र पहनाएं।

इसके बाद पीले फूल, अक्षत, सफेद चंदन या पीले रंग की रोली, पीला गुलाल, धूप, दीप, गंध आदि अर्पित करें।

इस दिन सरस्वती माता को गेंदे के फूल की माला पहनाएं। साथ ही पीले रंग की मिठाई का भोग लगाएं।

इसके बाद सरस्वती वंदना के उच्चतम मंत्रों का सस्वर उच्चारण करें। या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।

या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

अन्य मन्त्र

शुक्लां ब्रह्मविचार सार परमाम् आद्यां जगद्व्यापिनीम्।
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्॥
हस्ते स्फटिकमालिकां विदधतीम् पद्मासने संस्थिताम्।
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम्॥
सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणी
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु में सदा॥

उक्त मंत्रों से मां सरस्वती पूजा के समय सरस्वती कवच का पाठ भी कर सकते हैं।

आखिर में हवन कुंड बनाकर हवन सामग्री तैयार कर लें और 'ओम श्री सरस्वत्यै नमः स्वहा' मंत्र की एक माला का जाप करते हुए हवन करें।

अंत में सपरिवार या विद्यालय परिवार खड़े होकर मां सरस्वती की आरती करें कविवर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की रचना। वर दे वीणावादिनि वर दे।

जयंती पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

लेखक पत्रकार हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन में थी सरोजिनी नायडू की अहम भूमिका

आजादी के राष्ट्रीय आन्दोलन में उल्लेखनीय योगदान देने वाली स्वतंत्रता सेनानियों में 'नाइटिंगेल ऑफ इंडिया' तथा 'भारत कोकिला' के नाम से विख्यात प्रख्यात कवयित्री और देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक सरोजिनी नायडू का नाम सदैव आदर के साथ स्मरण किया जाता है। उनके नाम का जिक्र होते ही एक ऐसी महिला की छवि उभरकर सामने आती है, जिन्हें कई भाषाओं में महारत हासिल थी और जिनकी लिखी कविताएं हर ओर धूम मचाती थी। उन्हीं के सम्मान में उनके जन्मदिवस 13 फरवरी को अब प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय महिला दिवस' के रूप में मनाया जाता है। 13 फरवरी 1879 को हैदराबाद में एक बंगाली परिवार में जन्मी सरोजिनी नायडू की 135वीं जयंती के अवसर पर 13 फरवरी 2014 से देश में राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी और आज समूचा देश उनकी 145वीं जयंती मना रहा है।

सरोजिनी नायडू के पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक रसायन वैज्ञानिक और निजाम कॉलेज के संस्थापक थे जबकि उनकी माता वरदा सुंदरी बंगाली कवयित्री थी। सरोजिनी के पिता चाहते थे कि उनकी बेटी भी उन्हीं की भांति महान वैज्ञानिक बने लेकिन सरोजिनी को कविताओं से अगाध प्रेम था, जिसे वह कभी त्याग नहीं सकी। वह बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज थी और उन्होंने केवल 12 वर्ष की आयु में ही मद्रास यूनिवर्सिटी से मैट्रिक की परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया था तथा केवल 13 वर्ष की आयु में ही 1300 पदों की 'लेडी ऑफ द लेक' नामक पहली लंबी कविता और करीब 2000 पंक्तियों का अपना पहला विस्तृत नाटक लिखकर अंग्रेजी तथा अन्य भाषाओं पर अपनी पकड़ का परिचय दिया था। पढ़ाई के साथ-साथ वह कविताएं भी लिखती थी और उनका पहला कविता संग्रह 'द गोल्डन थ्रैशहोल्ड' 1905 में प्रकाशित हुआ, जो आज भी पाठकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। अत्यंत मधुर स्वर में अपनी कविताओं का पाठ करने के कारण उन्हें 'भारत कोकिला' कहा जाता था। उन्हें 'शब्दों की जादूगरनी' के नाम से भी जाना जाता था। 14 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने लगभग सभी प्रमुख अंग्रेजी कवियों की रचनाओं का अध्ययन कर लिया था।

मेधावी होने के कारण 1895 में हैदराबाद के निजाम ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करने के लिए वजीफे पर इंग्लैंड भेजा और इस प्रकार केवल 16 साल की उम्र में ही वह उच्च शिक्षा के लिए लंदन चली गई। पहले लंदन के किंग्स कॉलेज और उसके बाद कैम्ब्रिज के गिरटन कॉलेज में उन्हें अध्ययन करने का अवसर मिला। इंग्लैंड का मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण वह 1898 में ही इंग्लैंड से स्वदेश लौट आई। जब वह इंग्लैंड से लौटी, तब फौजी डॉक्टर डॉ. गोविन्दराजुलु नायडू के साथ विवाह करने को उत्सुक थी, जिन्होंने तीन साल पहले उनके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रखा था। हालांकि शुरू में सरोजिनी के पिता इस शादी के खिलाफ थे लेकिन बाद में 19 साल की उम्र में उनकी शादी डॉ. गोविन्दराजुलु के साथ हो गई।

1914 में जब सरोजिनी नायडू पहली बार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से मिली, तभी उनके विचारों से प्रभावित होकर वह वतन के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर हो गई और अपना जीवन देशसेवा में समर्पित कर दिया। 1915 से 1918 तक उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आजादी की लड़ाई में संकटों का डटकर मुकाबला करते हुए वह एक वीरांगना की भांति गांव-गांव, गली-गली घूमकर देश-प्रेम की अलख जगाकर देशवासियों को उनके कर्तव्य की याद दिलाती रही। उन्होंने न केवल

गांधीजी के अनेक सत्याग्रह आन्दोलनों में हिस्सा लिया और जीवन-पर्यन्त उनके विचारों तथा मार्ग का अनुसरण किया बल्कि 'भारत छोड़ो आंदोलन' के तहत जेल भी गई थी। दांडी मार्च के दौरान गांधीजी के साथ अग्रिम पंक्ति में चलने वालों में वह भी शामिल थी। उनके विनोदी स्वभाव के कारण उन्हें 'गांधीजी के लघु दरबार में विदूषक' भी कहा जाता था।

महात्मा गांधी के अलावा सरोजिनी नायडू गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर, गोपाल कृष्ण गोखले, एनी बेसेंट तथा पं. जवाहरलाल नेहरू के साथ भी विशेष रूप से जुड़ी रही। गोपाल कृष्ण गोखले को तो वह अपना राजनीतिक पिता मानती थी। गांधीजी तो अपने पत्रों में सरोजिनी नायडू को कभी 'डियर बुलबुल' तो कभी 'डियर मीराबाई' और कभी-कभी मजाक में 'अम्माजान' या 'मदर' भी लिखते थे, वहीं सरोजिनी भी गांधीजी को मजाकिया अंदाज में कभी 'जुलाहा' तो कभी 'लिटिल मैन' और कभी 'मिकी माउस' कहा करती थी। गांधीजी ने 8 अगस्त 1932 को सरोजिनी नायडू को लिखे एक पत्र में उन्हें 'बुलबुल' नाम से सम्बोधित किया था और उसी पत्र में उन्होंने स्वयं के लिए 'लिटिल मैन' शब्द इस्तेमाल किया था। सरोजिनी कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष भी बनी। वह 1925 में कानपुर में हुए कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्ष बनी और 1932 में भारत की प्रतिनिधि बनकर दक्षिण अफ्रीका भी गई। अंग्रेजी भाषा पर सरोजिनी की बहुत मजबूत पकड़ थी, लंदन की सभा में अंग्रेजी में बोलकर उन्होंने वहां उपस्थित सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। बहुभाषाविद सरोजनी नायडू अपना भाषण क्षेत्रानुसार अंग्रेजी, हिन्दी, बांग्ला अथवा गुजराती भाषा में देती थी। गांधीजी ने मधुर आवाज और उनके भाषणों से प्रभावित होकर ही उन्हें 'भारत कोकिला' की उपाधि दी थी।

देश की आजादी के बाद सरोजिनी नायडू भारत की पहली महिला राज्यपाल बनी लेकिन यह पद स्वीकार करते समय उन्होंने कहा था कि वह स्वयं को 'कैद कर दिए गए जंगल के पक्षी' की भांति अनुभव कर रही हैं किन्तु वह पं. जवाहरलाल नेहरू का बहुत सम्मान करती थी, इसलिए उनकी इच्छा को टाल नहीं सकी। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए काफी संघर्ष किया और समाज में फैली कुरीतियों के प्रति महिलाओं को जागृत किया तथा भारतीय समाज में जातिवाद, लिंग-भेद को मिटाने के लिए भी उल्लेखनीय कार्य किए। भारत में प्लेग महामारी के दौरान किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उन्हें 1908 में ब्रिटिश सरकार द्वारा 'केसर-ए-हिंद' से सम्मानित किया गया था लेकिन जलियांवाला बाग हत्याकांड से क्षुब्ध होकर उन्होंने यह सम्मान वापस कर दिया था। 2 मार्च 1949 को हृदयाघात के कारण लखनऊ में अपने कार्यालय में कार्य करने के दौरान उनका निधन हो गया। सरोजिनी नायडू का निधन 2 मार्च 1949 में हुआ था। भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में 13 फरवरी 1964 को 15 पैसे का एक डाक टिकट जारी किया गया था।

आदिवासी युवक को लात-घूंसों से पीटा, मुर्गा बनाया

पीड़ित गिड़गिड़ाता रहा, कांग्रेस ने वीडियो शेयर कर कार्रवाई की मांग की

बैतूल। एक आदिवासी युवक की पिटाई का वीडियो सामने आया है। 2 मिनट 42 सेकेंड के इस वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स युवक को बेरहमी से पीट रहा है। घटना शनिवार रात की है। रविवार को वीडियो सामने आने के बाद बैतूल कोतवाली थाने में एट्रोसिटी एक्ट और अन्य धाराओं में एक नामजद और तीन अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

दो आरोपी- चंचल राजपूत और चंदन सरदार को सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे गिरफ्तार किया गया। शेष की तलाश की जा रही है। चंचल राजपूत बजरंग दल के नर्मदापुरम संभाग का सह संयोजक है। कांग्रेस ने इस मामले में तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है।

वीडियो में यह नजर आ रहा...

आरोपी युवक के चेहरे पर कभी घूंसा तो कभी लात मारता है। उसे गालियां देता है। पीड़ित पीटने वाले से गुहार लगाता है। गिड़गिड़ता है। उसके पैर पड़ता है, लेकिन वह नहीं सुनता है। उसे मारना जारी रखता है। तभी पीछे से किसी की आवाज आती है। वह युवक को मुर्गा बनने के लिए कहता है। युवक मुर्गा बन जाता है। मुर्गा बनने के बाद भी आरोपी उसकी पीठ पर हाथ की कुहनी से मारता है। तभी उसका साथी उसे मारने से रोकता है। लेकिन वह नहीं मानता है। एसपी सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित युवक का पता लगाया। उसने बताया कि वह एक डीजे वाले के यहां काम करता है। डीजे के मालिक का आरोपी चंचल राजपूत से पुराना विवाद था। इसे लेकर ही उससे मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोपी चंचल का नाम पुलिस को बताया। बाकी तीन अन्य आरोपियों को वह पहचानता नहीं है।

कांग्रेस ने की तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आदिवासी युवक के साथ मारपीट का ये वीडियो सोशल मीडिया में शेयर किया। उन्होंने इस मामले में तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है।

इनके खिलाफ हुआ मामला दर्ज

कोतवाली टीआई आशीष सिंह पंवार ने बताया कि रविवार को पीड़ित राज उइके उम्र 22 साल निवासी खंजनपुर दादाजी मंदिर के पास ने शिकायत की थी कि चंचल सिंह राजपूत, डेन एवं चंदन सरदार के द्वारा उसका रास्ता रोककर सुभाष स्कूल के पास से अपहरण कर उसे स्कार्पियो पर उठाया गया और लल्ली चौक के पास एक पान की दुकान के सामने शनिवार की देर रात पिटाई की। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34, 341, 365 और एससी, एसटी एक्ट के तहत मामला कायम कर आरोपी चंचल सिंह राजपूत एवं चंदन सरदार को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया है। आरोपी चंचल सिंह राजपूत बजरंग का पदाधिकारी है।

पुरानी घटना से जुड़ा है मामला

टीआई आशीष सिंह पंवार ने बताया कि 8 फरवरी को चंचल सिंह राजपूत निवासी रातामाटी ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि बस स्टैण्ड के पास आरोपी गुल्लू चित्रार, अंकित चित्रार, नंदी झरबड़े एवं नावेद खान के द्वारा उसके साथ मारपीट की गई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 323, 506, 34 का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में भी गुल्लू चित्रार एवं नंदी झरबड़े को न्यायालय में उपस्थित होने हेतु धारा 41 का सूचना पत्र तामिल कराया गया है। अन्य दो आरोपी अंकित चित्रार और नावेद खान घटना के दिन से फरार हैं जिसके कारण उन्हें सूचना पत्र तामिल नहीं कराया गया।

हायर सेकेंडरी परीक्षा में फ्लाइंग स्क्वाड ने बनाए पांच नकल प्रकरण

बैतूल। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल कुशवाहा ने बताया कि हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र 2024 अंतर्गत सोमवार को कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनिमल हसबेंडरी एंड पोल्ट्री फार्मिंग, भारतीय कला का इतिहास, विज्ञान के तत्व इत्यादि वैकल्पिक विषयों की परीक्षा में पांच नकल प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। हायर सेकेंडरी के लिए बनाए गए 113 परीक्षा केंद्रों पर कुल 16797 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, जिनमें से 16347 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। 450 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। राजस्व विभाग के फ्लाइंग दस्ते द्वारा कन्या उमावि चिचोली परीक्षा केंद्र पर 3, धाबा उमावि स्थित परीक्षा केंद्र पर केंद्र अध्यक्ष द्वारा 1 और गुरुवा पिपरिया उमावि स्थित परीक्षा केंद्र पर जिला स्तरीय उडन् दस्ते द्वारा 1 इस प्रकार कुल 5 प्रकरण पंजीबद्ध हुए। यह पांचो नकल प्रकरण भौतिक शास्त्र विषय के परीक्षार्थियों के बने हैं। इस दौरान विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर उडन् दस्तों द्वारा सतत एवं सघन आकस्मिक निरीक्षण जारी रहे। उडन् दस्तों द्वारा उमावि नांदा, गुरुवा पिपरिया, बांसपानी, पाढर, उत्कृष्ट शाहपुर, भौंरा, धपाड़ा, उत्कृष्ट आ, छावल, कन्या भेसदेही, बालक भेसदेही, उत्कृष्ट भीमपुर, कन्या चिचोली, नसीराबाद, चूडिड़ां, जुवाडी, रायआमला, तिवरखेड़, अमरावती घाट, बिरूल्ल बाजार, बालक शाहपुर, मॉडल शाहपुर, सुभाष उमावि कोठी बाजार बैतूल, और एन बी एच एस उमावि बैतूल स्थित परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। हाई स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा अंतर्गत 13 फरवरी 2024 को गणित विषय की परीक्षा आयोजित होगी।

आज ठहाकों से गूंजेगा जेएच कॉलेज का अटल सभागार

स्टैंड अप कॉमेडी किंग वैभव गुप्ता बिखरेंगे हंसी के रंग, प्रसिद्ध कविताओं की दी जाएगी प्रस्तुति

उत्तम दीक्षित फेसबुक दोस्त के तत्वावधान में आयोजित होगा सम्मान समारोह

बैतूल। जेएच कॉलेज का अटल सभागार आज ठहाकों से गूंजेगा। आज मंगलवार 13 फरवरी को शाम 7 बजे से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के कवि, स्टैंड अप कॉमेडी किंग वैभव गुप्ता पुणे अपनी कविताओं के माध्यम से हंसी के रंग बिखरेंगे। उल्लेखनीय है कि जेएच कॉलेज के अटल सभागार में उत्तम दीक्षित फेसबुक दोस्त सम्मान समारोह का आयोजन किया रहा है। इस अवसर पर राष्ट्रीय कवि वैभव गुप्ता को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में सामाजिक सांस्कृतिक एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी महान हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के आयोजक उत्तम दीक्षित ने बताया कि इसके पूर्व भी वे 5 फेसबुक सम्मान समारोह आयोजित कर चुके है। कार्यक्रम का उद्देश्य फेसबुक दोस्तों को एक दूसरे के करीब लाना है। उन्होंने बताया कि वैभव गुप्ता सुप्रसिद्ध कवि है। शैलेश लोढ़ा के वाह भाई वाह कार्यक्रम के अतिरिक्त इंदौर के कार्यक्रम में भी दोनों की ट्यूनिंग बहुत अच्छी रही थी। भोपाल के रविंद्र भवन में भी वैभव गुप्ता का कार्यक्रम शानदार रहा था। 6 फरवरी को ही मुंबई में साइबर क्राइम समिट में भी वैभव गुप्ता ने सबका मन मोह लिया था। अब बैतूल को यह गौरवशाली अवसर प्राप्त हो रहा है।

चिकित्सा क्षेत्र में इनका होगा सम्मान- आज के कार्यक्रम में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े रेड क्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष डॉ.अरुण जयसिंगपुरे, एमडी मेडिसिन डॉ.रोहित परातें, डॉ.रानू वर्मा का सम्मान किया जाएगा। बता दें कि डॉ.अरुण जयसिंगपुरे के अथक प्रयासों से जिला अस्पताल बैतूल में पहली बार आईसीयू चालू किया गया है। इसके पहले गंभीर मरीजों को मेडिकल कॉलेज भोपाल रेफर कर दिया जाता था। तब मरीज के रिश्तेदार प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज कराने को मजबूर हो जाते थे। कई मरीजों की भोपाल पहुंचने के पहले ही मौत हो जाती थी। जिला अस्पताल में आईसीयू हो जाने के बाद जिले की जनता को यहीं इलाज करने की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। आईसीयू के संचालन में डॉ.रोहित पराते एमडी मेडिसिन की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा कोरोना के समय डॉ. रानू वर्मा ने लगातार कई दिनों तक अस्पताल में ही निवास कर सैकड़ों मरीजों की जान बचाने में मदद की, और वह फेसबुक पर भी लगातार बने रहते हैं। इन चिकित्सकों के इसी सेवा कार्य को देखते हुए कार्यक्रम में इन्हें सम्मानित किया जाएगा।

धार्मिक, सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी इन हस्तियों का भी होगा सम्मान - कार्यक्रम में समाजसेवी राजा ठाकुर, प्रमोद शुक्ला एवं उनकी पत्नी प्रियंका शुक्ला, बिजासन माता मंदिर बैतूल गंज के संचालक दीपक शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम राठौर, जाने-माने स्पीकिंग विशेषज्ञ, आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग के संचालक प्रमोद दुबे भोपाल को सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि समाजसेवी राजा ठाकुर के अथक प्रयासों से विगत दिनों 152 लोगों की हिंदू समाज में वापसी हुई है। इसी तरह फेसबुक पर सक्रिय रहने वाले प्रमोद शुक्ला एवं उनकी पत्नी प्रियंका शुक्ला द्वारा 12 से अधिक बेटियों को पढ़ा लिखा कर योग्य बनाकर उनका विवाह किया गया। शुक्ला दंपति विगत 30 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों से जुड़े हुए हैं। दो कन्याओं का उन्होंने कन्यादान भी किया है। वहीं बिजासन माता मंदिर बैतूल गंज के संचालक दीपक शर्मा धार्मिक कार्यों में सक्रियता से जुड़े हुए हैं। इनके नेतृत्व शहर में कई बड़े धार्मिक आयोजन संपन्न हुए हैं। इसी तरह बैतूल शहर के अभिनंदन सरोवर पर स्वच्छता अभियान चलाने में बैतूल के वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम राठौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले का नाम, मान सम्मान बढ़ाने में भारत के जाने-माने स्पीकिंग विशेषज्ञ प्रमोद दुबे भोपाल सहित फेसबुक दोस्तों को कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा।

गॉव चलो अभियान के तहत बैतूल विधायक ने साकादेही में किया रात्रि विश्राम

हर वर्ग के मतदाताओं से सम्पर्क कर जनकल्याणारी योजनाओं की दी जानकारी

भाजपा के पक्ष में मतदान कर ऐतिहासिक वोटों से जिताने की अपील की

बैतूल। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के लिए केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा चलाये जा रहे ग्राम चलो अभियान के तहत बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें बैतूल विधान सभा क्षेत्र की साकादेही ग्राम पंचायत मुख्यालय में रात्रि विश्राम कर दोनो मतदान केन्द्र अंतर्गत हर वर्ग के मतदाताओं से सम्पर्क कर उन्हे केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। बैतूल विधायक नें पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठकर ग्राम विकास पर विस्तार से चर्चा कर विकास की कार्य योजना बनाने के लिए सुझाव लिए। उन्होनें ग्राम के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया। मंदिरों में पूजा अर्चना कर सभी के सुख समृद्धि की कामना की। बैतूल विधायक नें किसानों महिलाओं युवा मतदाताओ की बैठक लेकर शिक्षा,कृषि,रोजगार,महिला सशक्तीकरण के लिए विचार विमर्श किया। ग्राम पंचायत साकादेही में बूथ समिति एवं पन्ना समिति के सदस्यो की बैठक लेकर मतदाता सूचि का अवलोकन किया और भाजपा के पक्ष में 51 प्रतिशत से अधिक मतदान करवाने का संकल्प दिलवाया। बैतूल विधायक नें ग्राम पंचायत साकादेही में गॉव चलो अभियान के तहत सभी वर्गो के मतदाताओं से सम्पर्क कर विकसित भारत के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक मतों से जिताकर नरेन्द्र मोदी को पुन- प्रधानमंत्री बनानें की अपील की । बुर्जुगों का सम्मान,किसानों को मोटे अनाज की खेती के लिए किया प्रेरित गॉव चलो अभियान के तहत ग्राम पंचायत साकादेही में रात्रि विश्राम करनें बैतूल विधायक शनिवार रात करीब 8 बजे साकादेही पहुचे। उन्होने साकादेही ग्राम पंचायत मुख्यालय में बुर्जुग ग्रामों का शॉल श्रीफल से सम्मान कर उनके स्वास्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। साकादेही के दोनो मतदान केन्द्रो के किसानों की बैठक लेकर बैतूल विधायक नें खेती बाड़ी को लेकर विस्तार से बातचीत की । उन्होनें किसानों को मोटे अनाज की खेती का महत्व समझाकर कोदो,कुटकी ,रागी सहित अन्य मोटे अनाज की खेती करने के लिए प्रेरित किया। साकेदही के पड़ाव ड़ाना स्थित खेड़ापति मंदिर में बैतूल विधायक नें पूजा अर्चाना कर सभी की सुख समृद्धि कामना की। लोकसभा चुनाव मे ऐतिहासिक जीत की बनाई रणनीति बैतूल विधायक नें साकादेही ग्राम में रात में बूथ समितियों एवं पन्ना समितियों की बैठक लेकर मतदाता सूचि का अवलोकन किया। बूथ समिति पन्ना समिति सदस्यों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए रणनीति बनाकर भाजपा के पक्ष मे 51 प्रतिशत से अधिक मतदान करवाने के लिए सकल्प दिलाया। वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता के यहाँ रात्रि भोज करनें के बाद सर्द रात में अलाव तापते हुए ग्रामीणों से गांव के विकास ,युवाओं को रोजगारन्मुखी शिक्षा व रोजगार तथा महिलाओं को स्वसहायता समूह के माध्यम से स्वरोजगार दिलावानें उन्नत खेती व खेती से जुडे व्यवसायों के सबंध में विस्तार से चर्चा की तथा साकादेही में ही रात्रि विश्राम किया। युवाओं -महिलाओं को दिखाई तरक्की कि राह रविवार 11 फरवरी को सुबह बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें साकदेही ग्राम के बूथ नम्बर 27 में मध्यप्रदेश आजीविका मिशन से जुड़े 10 महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं की बैठक ली तथा उन्हें समूह के माध्यम से स्वरोजगार का मार्गदर्शन दिया एवं परिवार की आय बड़ाने के संबंध में उनके सुझाव लिए। उन्होनें महिलाओं को स्वरोजगार के लिए शासन की विभन्न योजनाओं लोन एवं सब्सीडी की जानकारी दी। साकादेही ग्राम में नवमतदाताओ की बैठक लेकर उनसे पढाई,प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं भविष्य प्लानिंग को लेकर बैतूल विधायक ने चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होनें नव मतदाताओं से अपील की कि लोकसभा चुनवा में अपना पहला वोट भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल को देकर विकसित भारत के लिए नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाये। ग्राम पंचायत भवन साकादेही में सरपंच, पंच, उपसरंपच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्यों की बैठक लेकर ग्राम विकास विस्तार चर्चा की एवं सभी के सुझाव लेकर विकास की रणनीति बनाई। ग्राम उड़दन के बूथ नम्बर 28 में फिर एक बार मोदी सरकार के तहत दीवार लेखन कर चुनाव चिन्ह कमल का फूल बनाया एवं आम सभा का संबोधित किया। भू अधिकार पत्रों का किया वितरण गांव चलो अभियान के तहत ग्राम पंचायत साकादेही में रात्रि विश्राम करनें के बाद बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को साकादेही में विभिन्न कार्यकमों में शिरकत करनें के बाद आधा दर्जन ग्रामो में दौरा कर ग्रामीणो एवं कार्यकर्ताओं से सघन सम्पर्क किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झाबुआ से स्वामित्व योजना से भूअधिकार पत्रो का वितरण कार्यकम के तहत बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें ग्राम पंचायत कड़ाई मे 280 परिवारो को भूअधिकार पत्रो का वितरण किया गया। बैतूल विधायक पाड़खुर्द, डोक्या, भयावाड़ी, टेमनी, उड़दन ग्रामों का दौराकर ग्रामणों को केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी देकर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलवाकर नरेन्द्र मोदी को पुन- प्रधानमंत्री बनाने की अपील की। इस दौरान भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्व युद्ध वीरों का हुआ सम्मान, पवार समाज का वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

पूरे प्रदेश से पदाधिकारी ने की शिरकत

बैतूल। पंवार समाज वरिष्ठ जन कल्याण मंच का वार्षिक स्नेह सम्मेलन बढड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर राजा भोज मार्ग बैतूल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम अखिल भारतीय भोयर पवार महा संघ के अध्यक्ष व कृषि वैज्ञानिक डॉ.एनडी राउत, सरिता ताई गाखरे कांरजा के आतिथ्य में और मंच के अध्यक्ष कैप्टन एलआर पंवार, संरक्षक बाबूलाल कालभोर, उपाध्यक्ष सोजरलाल गोहिते, रतन पाठा की उपस्थिति में एवं कार्यक्रम अध्यक्ष प्रेमलाल ओंमकार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों, वीर पूर्व सैनिकों, समाज के

वरिष्ठ दम्पति को सम्मानित किया गया। जिसमें पवार समाज के पूर्व सैनिकों युद्ध वीर जिन्होंने 1965एवं 1971के भारत पाकिस्तान युद्ध में भाग लिया ऐसे परिवार, 10 दम्पति जिनकी 51वीं सालगिरह थी, उन्नत कृषक को, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूरे प्रदेश के पदाधिकारी कुंज सिंह परमार कन्नौद, नामदेव बारंगे भिलाई, सुनील बोबड़े इंदौर, भगवान बनागरे, पत्रकार रामकिशोर पंवार, पत्रकार शंकर पंवार, गोंदिया पंवार होशंगाबाद, अजय दहाड़े होशंगाबाद, बलराम दहारे मंडीदीप, एनएल बोआड़े भोपाल, जनकलाल परिहार भोपाल, मधुकर चोपड़े नागपुर, सुभाष पाठे नागपुर, नामदेवराव पराडकर नागपुर, बंडु पंवार कारंजा, पूर्व विधायक अशोक कड़वे मुलताई, कृष्णकुमार डोबले पांढुर्णा, विजय बारंगे भोपाल आदि बड़ी संख्या में सहित जिले और प्रदेश के समस्त पवार समाज के संगठनों के अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में मुन्नालाल डहारे, रेवती रमन कालभोर, माखनलाल कोड़ले, श्याम राव देशमुख, हरिराम खपरिये, शिवाजी हजारे, जानकलाल पंवार, अशोक बारंगे, जग्गु भैय्या, विजय बारंगे, भभूतराम हजारे, एमएस पंवार, रामराव डोबारे, जगदीश देशमुख, गजानन कामड़ी, राजू अनुराग गोहिते, अनिल खवसे, मातृ शक्ति का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सचिव अविनाश देशमुख ने व आभार प्रवक्ता बाबूराम पंवार ने व्यक्त किया।

गांव चलो अभियान में दी शासकीय योजनाओं की जानकारी

बैतूल। गांव चलो अभियान के तहत जवाहर वार्ड बूथ क्रमांक 113 में कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष शंकर चावरिया बूथ महामंत्री नरेश चोपड़े, बीएल सुनील श्रीवास्तव, कार्यक्रम प्रमुख पंकज मिश्रा, बूथ संयोजक सुरेश सावनेर एवं क्षेत्र के नागरिक अमित यादव, संजू सतनकर, अजय सोनी, राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) आदि प्रमुख जागरूक मतदाता उपस्थित थे। शंकर चावरिया के निज निवास पर बैठक में मतदाता सूची का निरीक्षण किया। बड़ी माता मंदिर पेट्रोल पंप गंज पर और मुख्य मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। यग पुरूष कुसाभाऊ ठाकरे की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर उन्हें याद किया गया और कांग्रेस मुक्त बैतूल की शपथ ली। वहीं क्षेत्र में घूम-घूम कर सामाजिक लोगों से मुलाकातें कर केन्द्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही कांग्रेस मुक्त भारत का संकल्प लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता और नवमतदाता मौजूद थे।

हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवॉर्ड 2024 से सम्मानित हुए फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. संदीप परिहार

बैतूल। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम यूनाइटेड हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवार्ड 2024 का आयोजन किया गया जिसमें बैतुल जिले से यूनाईटेड हेल्थ वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ डॉ संदीप परिहार को यूनाइटेड हेल्थ केयर एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया जिन्होंने बैतुल जिले में डॉ. परिहार जी समाजसेवी हैं उनके द्वार बहुत सारे निःशुलक स्वस्थ

शिविर का आयोजन किया गया सीपीआर ट्रेनिंग कराई गई जिसे लोगो की जान बचाई जा सकती है उनके द्वार प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण निशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर, छोटे विकलांग दिव्यांग बच्चों को निशुल्क फिजियोथेरेपी दिया गया उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में इन्हें आज सम्मानित किया गया। जिले में यूनाईटेड मे कार्य कर रहे आर्गेनाइजेशन के सम्भाध्यक्ष्य डॉ योगेश पवार ,जिला सचिव डॉ भरत यादव, जिला उपाध्डयक्ष डॉ सुजाता सिंह , कैम्प प्रभारी डॉ भारती हजारे को भी भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया जिसमें उपस्थित आज पूरे भारत मे यूनाईटेड हेल्थ वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की टीम स्वास्थ सुरक्षा एवम जागरूक के क्षेत्र में कार्य कर रही है इसके अलावा सभी प्रदेश और जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में ट्रेनिग प्रोग्राम का कार्य के रही है और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े सभी कर्मचारियों को जोडने का कार्य किया जा रहा है जिसमे सी पी आर ट्रेनिग, बेसिक लाईफ सपोर्ट की ट्रेनिग यूनाईटेड के द्वारा दी जा रही है

अदालत के आदेश पर ओवर ब्रिज की मरम्मत, आवेदक पक्ष ने जताया असंतोष, फिर कोर्ट जाने की चेतावनी

बैतूल। बैतूल को नागपुर छोर से जोडने के लिए बने ओवर ब्रिज की दिसंबर तक मरम्मत किए जाने के कोर्ट के आदेश के बाद पीडब्ल्यूडी सेतु ने इस पर मरम्मत का काम किया है। लेकिन इस पर याचिकाकर्ता की अधिवक्ता ने असंतोष जताते हुए कोर्ट को अवगत कराने की बात कही है। इस मामले को पांच साल पहले समाजसेवी मनीष शुक्ला ने बैतूल की लोकोपयोगी स्थाई लोक अदालत में दर्ज करवाया था।। निगम ने दो दिन पहले इस ओवर ब्रिज पर मरम्मत का काम करवाया है। पीडब्ल्यूडी सेतु के बैतूल हरदा प्रभारी हेमंत हिंगवे ने बताया कि यहां सरफेस को इम्प्रू किया है। सरफेज को रेक्टिफाई करके जहां जहां लग रहा था वहां सरफेस इम्प्रुव किया है। साइड के फुटपाथ के पेविंग का मेंटेनेंस करते रहेंगे। जहां रेक्टिफिकेशन की जरूरत होगी, वहां फिर करवाएंगे। 300 मीटर में काम कराया गया जानकारी के मुताबिक पीडब्ल्यूडी सेतु ने यहां 300 मीटर में बिटुमिन कोर्स करवाया है।इसके लिए 16 लाख रु कीमत का टेंडर लगवाया गया था। जिसमें सरफेश की स्केरिंगफाई, सरफेष का रिमूवल, रेक्टिफिकेशन, बिटुमिन वर्क किया जाना था। इसके लिए विभाग ने युग कॉन्ट्रक्शन को काम दिया था। फिलहाल इस तीन सौ मीटर में कराया गया है। वादी पक्ष ने जताया असंतोष इस मामले में वादी मनीष शुक्ला के अधिवक्ता गिरीश गर्ग ने बताया की कोर्ट ने इस मामले में ऑर्डर किया था। हालांकि, सेतु शाखा ने आदेश का क्रियान्वयन नहीं किया था। पिछले 26 अगस्त 2022 को अदालत ने लोक निर्माण विभाग के सेतु विंग को इस पुल की दुरुस्ती के लिए आदेश किया था। इस प्रकरण में निष्पादन की कार्यवाही के लिए आवेदक ने व्यवहार न्यायालय वर्ग 2 में प्रकरण दायर किया था। जिस पर लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील अदालत में हाजिर हुए थे। यह निष्पादन की कार्रवाई के तहत प्रकरण दर्ज कराया गया था। जिसमें लोक निर्माण विभाग सेतु के कार्यपालन यंत्री जावेद शकील ने अदालत के सामने आश्वासन दिया था कि वे दिसंबर 2023 तक ब्रिज पर मेस्टिक एस्फाल्ट की लेएर बिछाएंगे। इस पर करीब ड़30 लाख की राशि खर्च होगी।

राधा मोबाइल पर चोरों का धावा, 6 लाख के मोबाइल से भरा बैग लेकर चोर चंपत

सुबह सवेरे

सोहागपुर। पलकमती नदी पुल के पास राधा इलेक्ट्रॉनिक मोबाइल की दुकान में चोरों ने शटर को उठाकर चोरों ने चोरी को अंजाम दिया है। इसके पूर्व भी सेमरीहरचंद में चोरी की घटनाएं हुई हैं। आज राधा मोबाइल पर चोरों ने धावा बोल के दुकान में रखे मोबाइल से भरें बैंग को लेकर चंपत हो गए। राधा मोबाइल के प्रतीक मालवीय ने सुबह सवेरे संवाददाता को बताया कि दुकान में रखे करीबन 30 मोबाइल जिसमें वीवो,ओप्पो,रेडमी, आदि कम्पनियों के महंगे रखें हुए थे। चोरों ने शटर को ऊंचा करके चोरी की गई लग रही है। इसके साथ ही करीबन 20 हजार नगदी की भी चोरी हो गई है। प्रतीक मालवीय ने कहा कि करीबन 6 लाख रूपये का माल था। जो चोरी हो गया। घटना की सोशल मीडिया पर भी खासी चर्चा रही। इधर नगर निरीक्षक चंद्रकांत पटैल ने मौके का मुआयना किया। वहीं नर्मदापुरम से फोरेंसिक विशेषज्ञों ने भी घटना की जानकारी लेकर फिंगर प्रिंट लिए है।

किसान आंदोलन के नेताओं की गिरफ्तारी अनुचित

सुबह सवेरे सोहागपुर। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन ने पदाधिकारियों ने किसान आंदोलन के नेताओं की गिरफ्तारी को अनुचित बताया है।इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी बृजेंद्र रावत को किसान नेताओं ने ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि किसानों के हित में होने वाले आन्दोलन में स्थानीय नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है।जो लोकतंत्र की हत्या है। नेताओं ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निन्दा की। वहीं गिरफ्तार किए किसान नेताओं को तत्काल रिहा करने की मांग शासन से की है। इस अवसर पर राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ मध्यप्रदेश के तहसील अध्यक्ष सतीश रघुवंशी,धनराज सिंह ,सुरेशकुमार रघुवंशी राजकुमार ,खुशी, रामेश्वर पटैल, विक्रम रघुवंशी,नवाबसिंह, लालजी पटैल, केसरी सिंह पटैल, करोड़ी लाल, रामेश्वर पटैल, विक्रम सिंह पटैल यशवंतसिंह, पवनसिंह,रामखिलावनसिंह आदि उपस्थित थे।

सीताराम सेवा समिति ने दी एक लाख की राशि

सुबह सवेरे सोहागपुर। सीताराम सेवा समिति के सुनील तिवारी एवं सुधीर तिवारी ने अपने पिता स्वर्गीय रामकृष्ण तिवारी एवं माताश्री श्रीमती कमला बाई तिवारी की स्मृति में एक लाख रुपए की राशि परशुराम भवन के पदाधिकारियों को प्रदान की। उक्त राशि श्री परशुराम भवन में टेंट एवं बर्तनों के लिए दी गई है। इस अवसर पर श्री परशुराम भवन के पदाधिकारी उपस्थित थे।इधर पूर्व पत्रकार संघ अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा के पिताश्री इमरतलआल कुशवाहा ने जीवनदायिनी मां नर्मदा की परिकमा पूर्ण करने के उपरांत ग्राम सांगाखेड़ा में भंडारे में 'महाप्रसाद' का आयोजन किया गया। इसी क्रम में नगर के मातापुरा में प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार ने श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के उपरांत परिवार के बंटी मिश्रा ने भंडारे का आयोजन किया। जिसमें भारी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

बरमान में सेवा प्रदाता संघ का हुआ गठन

नरसिंहपुर। बरमान में माँ गौरी आश्रम में सर्व सहमति से सेवा प्रदाता संघ (स्टाम्प वेण्डर दस्तावेज लेखक) का गठन हुआ। संघ की कार्यकारिणी में कुँवर वीरेन्द्र सिंह, महेन्द्र तिवारी, जिला अध्यक्ष राजेन्द्र मनोहर तिवारी, ज़िला उपाध्यक्ष अरुण तिवारी, ज़िला सचिव चौ. अभिषेक रघुवंशी,ज़िला कोषाध्यक्ष मनोज पटेल, ज़िला सह सचिव प्रफुल्ल सिंह राजपूत, ज़िला सह सचिव अंबर जौहरी,सेवा प्रदाता संघ की संरक्षक समिति धीरेन्द्र व्यवहार, विनीत श्रीवास्तव ,अब्दुल हई खान,योगेन्द्र कौरव ,मोहन लाल साहू, रामेश्वर पटेल,देवेन्द्र कौरव,जितेन्द्र गोयल , नितिन पाठक, उमाकान्त तिवारी, सुरेश कुमार विश्वकर्मा को बनाया गया है।

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। विगत दिवस शासकीय हाई स्कूल खापा शेड में शेर इको क्लब के तत्वाधान में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण विषय पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा 9 वीं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय,तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता का मार्गदर्शन प्राचार्य एस के बक्शी जी व शिक्षक विनोद झारिया जी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता इको क्लब प्रभारी ओंकार गिर गोस्वामी,आशीष विश्वकर्मा, भूपेंद्र लोधी, प्रीति धुर्वे,गेंदालाल काछी, अभिषेक नेमा आदि के देख-रेख में सम्पन्न हुई।

विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से आमला सारणी विधानसभा को बजट में मिली लगभग 15 करोड़ रुपए लागत वाली पांच सड़कों की सौगात

पिछले कार्यकाल में दाई दर्जन सड़कों की सौगात देने वाले आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में क्षेत्र को मिला पांच नई सड़कों का उपहार

विधायक पंडाग्रे के प्रयासों से बजट में विधानसभा को पांच सड़कों को स्वीकृति, उपलब्ध होगा आमला नगर में प्रवेश का नया वैकल्पिक मार्ग

आमला। विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से विधानसभा सत्र के दौरान प्रस्तुत बजट में आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र को पांच सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र की समृद्धि एवम विकास की प्रतिबद्धता एवं एकीकृत विकास कार्ययोजना अंर्तगत आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से, पिछले कार्यकाल में ऐतिहासिक एवम रिकार्ड,करोड़ों रुपए लागत वाली दाई दर्जन सड़कों के निर्माण की श्रृंखला में , एक और उपलब्धि के रूप में क्षेत्र को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व के प्रथम बजट में लगभग पंद्रह करोड़ रुपए लागत वाली पांच सड़को की सौगात मिली है।

विधानसभा में प्रस्तुत किए गए बजट में संपूर्ण प्रदेश समेत आमला सारणी विधानसभा में करोड़ों रुपए की सड़कों के लिए बजट आवंटित किया गया।

करोड़ों रूपए लागत की पांच सड़के स्वीकृत, आमला नगर को वैकल्पिक मार्ग की सौगात- भारतीय जनता पार्टी मीडिया प्रभारी गोपेन्द्र सिंह बघेल ने बताया किया आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र को बजट में पांच सड़के जिनमे पंखा बोड़खी आमला मार्ग स्थित ग्राम ससाबड़ से बल्लाचला सड़क निर्माण लागत 2.18 करोड़ रुपए, ग्राम परसोड़ी से ग्राम तोरनवाड़ा सड़क निर्माण लगता 210 ग्राम बाबरबोह से ग्राम सोनेगांव तक सड़क निर्माण लागत 4.95 करोड़, ग्राम लीलाझर से हीरावाडी जिला छिंदवाड़ा की ओर सड़क निर्माण लागत 3.62 करोड़, ग्राम मोरखा से हालदार बाबा तक सड़क निर्माण लागत 1.5 करोड़ रुपए के निर्माण की स्वीकृत बजट में मिली है।

उक्त सड़कों में से पंखा बोड़खी आमला मार्ग स्थित- ग्राम ससाबड़ लॉक डाउन ढाबे के पास से होते हुए बल्लाचला सड़क निर्माण से आमला नगर को एक वैकल्पिक पहुंच मार्ग मिले, जिसके उपयोग से वाहन बिना उपनगरी बोडखी जाए आमला नगर से पंखा मार्ग होते हुए राष्ट्रिय राजमार्ग तक पहुंच सकेंगे। जिससे दूरी समय एवम ईंधन के साथ शहर में यातायात के अन्य विकल्प मिलेंगे एवम शहर के विस्तार एवम विकास के नए मार्ग प्रशस्त होगे।

गौरतलब है की आमला सारणी विधायक योगेश पंडाग्रे द्वारा लंबे समय से इस संदर्भ में कोशिशें की जा रही थी निर्माण हो जाने पर यह सड़कें यातायात एव व्यपार की दृष्टि से बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। इन पांच सड़को के निर्माण के साथ क्षेत्र के ग्रामीणों , किसान बंधुओ,छात्र छात्राओं, एवं चिकित्सकीय आपातकाल में मरीजों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों ग्रामिणों ने सड़क निर्माण की सौगात के लिए माननीय विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने माना मुख्यमंत्री का आभार- बजट में आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत लगभग पंद्रह करोड़ रुपए लागत वाली विभिन्न सड़कों की स्वीकृति करने के लिए विधायक डॉ योगेश पण्डाग्रे ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि आमला सारणी विधानसभा की देव तुल्य जनता के द्वारा सतत भारतीय जनता पार्टी पर जताए विश्वास के प्रतिफल में प्रथम बजट में ही क्षेत्र को पांच सड़को की सौगात देने के लिए आमला सारणी विधानसभा की जनता की ओर से माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार व्यक्त करता हूँ ।

मंत्री श्री पटेल ने किया उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को गोटेगाँव के ग्राम बढ़ैयाखेरा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 49 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन आयुष्मान आरोग्य केन्द्र (उप स्वास्थ्य केन्द्र) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल, महंत प्रीतम पुरी, ज़िला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, सीएमएचओ डॉ राकेश बोहरे सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार हेतु कक्ष एवं परिसर में कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर के निवास हेतु आवास व्यवस्था एवं महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के निवास हेतु आवास की व्यवस्था है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि यहां आरोग्य मंदिर बनने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें मिलेगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग़रीब कल्याण के कार्य किए जा रहें हैं। ग़रीब व्यक्ति भी अपना इलाज निःशुल्क करा सकें इसलिए आयुष्मान निरामय योजना प्रारंभ की गई। अब ग़रीब को अपने व परिवार के इलाज की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा को लेकर सरकार

सतत रूप से प्रयासरत है। आज पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि है। अपने एकात्म मानववाद के दर्शन से उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने के जो विचार दिये हैं उन्हें केंद्र सरकार पूरा कर रही है। भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि दी। उनका विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व झोंक कर कार्य करने की प्रेरणा देते रहेंगे। सत्ता बड़ी चीज नहीं बल्कि यह साधन है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए मार्ग पर चलकर जनता के कल्याण के काम निरंतर करते रहेंगे। उन्हीं के विचार को आत्मसात् कर आगे बढ़ रहे हैं। उनके विचारों ने हमें ताक़त दी है। उनका मानना था कि केवल भवन निर्मित होने से विकास नहीं होता। क्षेत्रीय विधायक श्री नागेश ने इस आरोग्य मंदिर के लिये सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अब इलाज के लिए व्यक्ति को भटकना नहीं पड़ेगा।

मंत्री श्री पटेल ने किया राखी- भैंसा में शासकीय हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन

नरसिंहपुर। पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने गोटेगांव विकासखंड के ग्राम राखी- भैंसा में एकीकृत शासकीय हाई स्कूल भवन का भूमिपूजन किया। इस मौके पर गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व विधायक जालम सिंह पटैल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य विशिष्ट जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्व. नर्मदा प्रसाद दुबे, श्रीमती उमा शशि प्रसाद दुबे ने अपनी दो एकड़ जमीन स्कूल के लिए दान दी है। राज्य सरकार ने लगभग पौने दो करोड़ रुपये की राशि से विद्यालय बनाने का फैसला किया है, जिसका आज भूमिपूजन है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आज का दिन भी याद रहेगा कि पं.

दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के दिन इस विद्यालय की आधारशिला रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि वह जमीन ऐसे राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक के द्वारा दान की गई, उस जमीन पर बैठकर, उस भवन में पढ़कर जो पीढ़ी निकलेगी वह अपने जीवन में सर्वोच्च मुकाम हासिल करेगी, ऐसा मेरा विश्वास है। उन्होंने इसके लिए सभी को शुभकामनायें दी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अपने बच्चों की शिक्षा, दीक्षा व संस्कारों की चिंता करें, खाली विकास से काम नहीं चलेगा विरासत के साथ विकास का काम होगा, तभी आने वाली पीढ़ी भी आपको याद रखेगी। उन्होंने स्व. नर्मदा प्रसाद दुबे को नमन किया। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का भी उल्लेख किया। स्थानीय विधायक श्री नागेश ने भी इस अवसर पर संबोधित करते हुए विद्या के इस भवन के लिये बधाई दी। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा से बेहतर समाज का विकास होगा। पूर्व विधायक श्री जालम सिंह पटेल ने शिक्षा भवन की शुभकामनायें देते हुए कहा कि यहाँ स्कूल नहीं था। शिक्षा के लिए यहाँ स्कूल बनाने के लिए दान पत्र दिया गया था।यह स्कूल स्व. श्री नर्मदा प्रसाद जी दुबे, श्रीमती उमा शशि प्रसाद दुबे के नाम पर बनेगा। उनकी मूर्ति की भी स्थापना की जायेगी। बच्चों और युवाओं के लिए यह अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन शिक्षा के लिए दिया है।

बांस हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

नरसिंहपुर। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, उच्चशिक्षा विभाग म.प्र. शासन द्वारा प्रायोजित अल्पावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण अंतर्गत बांस हस्तशिल्प में रोजगार व स्वरोजगार विषय पर एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्था प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा की अध्यक्षता व योजना के जिला नोडल अधिकारी अजीत राय व प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृति सेन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में संजय कटारे मास्टर ट्रेनर, वन विभाग प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों

ने एक माह के आयोजन के दौरान बांस की विभिन्न वस्तुओं जैसे टोकरी, फ्लावर पॉट, पेन स्टेण्ड, लैम्प, बॉटल, होल्डर के साथ कई सजावटी वस्तुओं का निर्माण करना सीखा। साथ ही वे इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोजगार के अवसरों से भी अवगत हुए। विद्यार्थियों ने अपना फीडबैक देते हुए भविष्य में भी इस तरह के आयोजन किए जाने की मंशा प्रकट की। इस आयोजन से स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के 30 विद्यार्थी लाभान्वित हुए जिन्होंने एक माह तक उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्रीमती शिल्पी तिवारी, श्रीमती दीप्ती नेमा व कु. पूर्णिमा पटैल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाज के जरूरतमंदों की मदद सराहनीय काम-पुलिस अधीक्षक

देवास। समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सक्रिय समाज के लोगों,उद्योगों और मीडिया सहित उन सभी के कामों की सराहना की जानी चाहिए जो सतत समाज की दशा और दिशा बदलने को सक्रियता से अंजाम देते रहते हैं। ये बात पुलिस कप्तान ने बेअरलॉकर उद्योग द्वारा एक्ट इव फाउंडेशन के समन्वय से स्कूली बच्चों को दिए जा रहे फर्नीचर लोकार्पण के अवसर पर कही। बेअरलॉकर उद्योग प्रबंधक प्रवीण शर्मा तथा एक्ट इव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने बताया कि बेअरलॉकर उद्योग द्वारा पुलिस लाइंस स्थित सेंटर में बच्चों के लिए 13 सेट तथा दुर्गानगर के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए 12 सेट भेंट किए। इन्हें मिलाकर बेअरलॉकर उद्योग द्वारा अभी तक चार स्कूलों में 75 फर्नीचर सेट दिए जा चुके है जिनका उपयोग अब तक जमीन पर बैठकर पढ़ने वाले बच्चे कर पा रहे है। दोनों कार्यक्रम में अतिथि रूप में पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय,बेअरलॉकर उद्योग लॉजिस्टिक हेड मुकेश मेहता,प्लांट हेड सुशांत खड़ताले, भामस के अजय उपाध्याय,प्रवीण शर्मा,संकुल प्राचार्य दिव्या निगम, बीआरसी किशोर वर्मा,श्री पाराशर, तथा जनशिक्षक सुरेंद्र राठौर,निशा राठौर,उपस्थित थे। अतिथियों ने बेअरलॉकर उद्योग तथा एक्ट इव फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए अपनी और से सेवाकामों में हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर उमाकांत गुप्ता ने दुर्गानगर स्कूल में अपनी और से एक पंखा देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में रंजीत ठाकुर, आनंद परमार, संगीता, तारा राठौर, सरोज तिवारी, सुनीता तिवारी, तारा राजोरिया, सरिता टोकसे, गुलाब वर्मा, वंदना शर्मा, प्रदीप शर्मा, आलेख वर्मा, वीरेंद्र गौड़, इसाक भाई उपस्थित थे। संचालन किशोर असनानी ने किया तथा आभार प्रवीण शर्मा ने माना ।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

चार पूर्व मुख्यमंत्रियों की सियासत में भविष्य की चिंता

मध्यप्रदेश में चार पूर्व मुख्यमंत्री सक्रिय राजनीति में हैं। दो भारतीय जनता पार्टी के और दो कांग्रेस। दिग्विजय सिंह और कमलनाथ कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे थे। उमा भारती और शिवराज सिंह चौहान भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। इन चारों मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल शिवराज सिंह चौहान का रहा है। वे लगभग अठारह साल मुख्यमंत्री रहे हैं। इसके बाद दिग्विजय सिंह की बारी आती है। वे दस साल मुख्यमंत्री रहे हैं। उमा भारती और कमलनाथ का कार्यकाल छोटा रहा है। कमलनाथ लगभग पंद्रह माह मुख्यमंत्री रहे। जबकि उमा भारती महज आठ माह ही मुख्यमंत्री रह पाई। इन दिनों ये चारों मुख्यमंत्री अपने भविष्य को लेकर चिंतित दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में दो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और शिवराज सिंह चौहान की अपने-अपने शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात ने कई तरह की कयासों को जन्म दिया है। उमा भारती अपने बयानों के जरिए चर्चा में बनी हुई हैं। दिग्विजय सिंह के नाम की चर्चा भी लोकसभा चुनाव के कारण ज्यादा है।

राज्यसभा सीट पर कमलनाथ की निगाह

राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की कुल पांच सीटों पर चुनाव होना है। चार सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते वाली हैं। सिर्फ एक सीट कांग्रेस को मिल रही है। दो दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी से दिल्ली में मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद ही उनकी राज्यसभा सीट की दावेदारी की चर्चाएं तेज हो गई हैं। कमलनाथ 2018 में केंद्र की राजनीति छोड़कर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने थे। 2018 के विधानसभा चुनाव में ही कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की थी। इसके बाद कमलनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बन गए। वे मार्च 2020 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। सरकार गिरने के बाद भी वे राज्य की राजनीति में सक्रिय बने रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का पद उनके पास था। 2023 का विधानसभा चुनाव कमलनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा गया था। कांग्रेस को मात्र 66 सीट ही मिली। इसके बाद पार्टी ने उनके स्थान पर जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया। कमलनाथ का पूरा राजनीतिक कैरियर केंद्र की राजनीति में गुजरा है। 2014 तक वे डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में मंत्री थे। 2014 के बाद से ही कांग्रेस लगातार कमजोर होती जा रही है। उसके कई बड़े नेता दल बदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मध्यप्रदेश में भी सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। 2028 में जब विधानसभा के अगले चुनाव होंगे तब तक कांग्रेस पच्चीस साल विपक्ष में रहने का रिकॉर्ड बना चुकी होगी। कांग्रेस की पंद्रह माह की सरकार में कार्यकर्ताओं को अपनी सरकार होने का अहसास नहीं हुआ था। उसके जो नेता अभी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं वे भी दल में बचते हैं कि नहीं कह नहीं सकते। कमलनाथ और उनके पुत्र की राजनीतिक निष्ठा पर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कहा यह जा रहा है कि कमलनाथ ने सोनिया गांधी से अपने लिए राज्यसभा की सीट मांगी है। वे विधायक का पद छोड़ना चाहते हैं। पद छोड़ने के पीछे कमलनाथ का जो भाव है,वह दिलचस्प है। वे विधायक पद से इस्तीफा देकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहते हैं। कमलनाथ नई पीढ़ी को मौका देने का भाव रखते हैं तो वे राज्यसभा की सीट अपने लिए क्यों मांग रहे हैं। राज्यसभा में भी तो किसी युवा नेता को मौका दिया जा सकता है।

राज्यसभा सीट मांगने के पीछे क्या सियासत है?

राजनीति में जो होता है,वह दिखता नहीं है। जो दिखता है वह कई बार होता नहीं है। कांग्रेस के जो भी बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में गए उनको लेकर इस तरह के अनुमान खारिज किए जाते रहे थे। कमलनाथ और उनके पुत्र नकुल नाथ को लेकर भी दावा किया जा रहा है कि वे कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जाने वाले। कमलनाथ जो कहते हैं वो करते हैं। मार्च 2020 में सरकार गिरने के बाद जब यह कहा गया कि वे भोपाल छोड़कर दिल्ली चले जाएंगे, तब उन्होंने कहा मैं कहीं नहीं जाने वाला। वे भोपाल में रहकर राज्य की राजनीति में सक्रिय बने रहे। विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार का असर कमलनाथ के चेहरे पर भी साफ दिखाई देता है। कमलनाथ की उम्र 77 साल की हो गई है। इस उम्र में भी वे केंद्र की सक्रिय राजनीति की इच्छा रखते हैं तो युवा नेताओं के चेहरे लटकना स्वाभाविक है। कमलनाथ की नजर क्या वाकई राज्यसभा की एकमात्र सीट पर है? यदि यह बात सही है तो इसके पीछे सियासत जीतू पटवारी के राह में रोड़ा अटकाने की है या फिर कांग्रेस छोड़ने की पृष्ठभूमि तैयार करने की है? अकबर रोड या दस जनपथ की राजनीति करने वाले नेता भी मान रहे हैं कि सोनिया गांधी के लिए मौजूदा दौर में कोई भी निर्णय करना कांग्रेस के लिए घातक हो सकता है। कमलनाथ को यदि राज्यसभा में भेजते हैं तो युवा नेतृत्व को झटका लगेगा। यदि नहीं भेजते हैं तो कमलनाथ या उनका कोई परिजन निर्णय से खफा होकर कांग्रेस से अलग राह चुन सकता है? वो रहा भाजपा से भी जाकर मिल सकती है या छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में उदासीनता दिखा सकती है।

नकुल नाथ के लिए टिकट मांगने हुई मुलाकात?

कमलनाथ का राजनीतिक भविष्य नकुल नाथ हैं। नकुल नाथ का भविष्य छिंदवाड़ा के वोटर के हाथ में है। नकुल नाथ द्वारा लोकसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी की घोषणा सार्वजनिक तौर पर कर दी गई है। कमलनाथ ने भी कह दिया है कि चुनाव तो नकुल नाथ ही लड़ेंगें। कांग्रेस पार्टी में यह परंपरा नहीं रही है कि कोई नेता अपनी तरफ से ही उम्मीदवारी की घोषणा कर दे। कमलनाथ,गांधी परिवार के करीब हैं इस कारण ही नकुल अपनी उम्मीदवारी की घोषणा का साहस जुटा पाए। अन्यथा हश्र निशा बांगरे जैसा भी तो हो सकता है। चुनाव लड़ने के लिए नौकरी छोड़ी। इस्तीफा मंजूर हुआ तो कमलनाथ ने टिकट नहीं दिया। ऐसा क्या नकुल नाथ के साथ हो सकता है? नहीं। सभी का यही जवाब होगा। कहा यह जा रहा है कि कमलनाथ की सोनिया गांधी से हुई मुलाकात में छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर चर्चा हुई। कमलनाथ ने अपना पक्ष और कांग्रेस की मौजूदा राजनीति से सोनिया गांधी को अवगत करा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बात से खिन्न हैं कि नकुल नाथ ने अपनी उम्मीदवारी खुद घोषित कर दी।

शिवराज का भविष्य लोकसभा या राज्यसभा

कमलनाथ जैसी राजनीति शिवराज सिंह चौहान की नहीं है। यद्यपि दोनों में बहुत समानता है। शिवराज सिंह चौहान के राजनीतिक उत्तराधिकारी उनके पुत्र कार्तिकेय हैं। नकुल नाथ की तरह कार्तिकेय दंभपूर्ण राजनीति नहीं करते। कारण भाजपा की राजनीति कांग्रेस के तरह की नहीं है। भाजपा में पार्टी के निर्णय से ही सभी नेता बंधे होते हैं। कांग्रेस में नेता के निर्णय से पार्टी बंधी होती है। शिवराज सिंह चौहान भी दो दिन पहले अपने शीर्ष नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले थे। दोनों नेताओं के बीच क्या बात हुई,वह सामने नहीं आई है। वैसे इस मुलाकात का इंतजार लंबे समय से हो रहा था। विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद अब शिवराज सिंह चौहान की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई है। जाहिर है कि इस मुलाकात में भविष्य की राजनीति पर ही बात हुई होगी। चौहान को उनकी भूमिका भी प्रधानमंत्री ने बता दी होगी, शिवराज सिंह चौहान को छिंदवाड़ा से लोकसभा का चुनाव लड़ाने का प्रस्ताव राज्य की चुनाव समिति ने भेजा है। इस प्रस्ताव पर अपना मत भी पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बता दिया होगा। राज्यसभा चुनाव को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई है। शिवराज सिंह चौहान वही करेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहेंगें। चौहान, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में एक हैं। उनके बारे में फैसला प्रधानमंत्री के अलावा कोई अन्य नेता नहीं कर सकता।

चुनावी राजनीति में नहीं है दिग्विजय का भविष्य

कमलनाथ की तरह ही दिग्विजय सिंह कांग्रेस के वयोवृद्ध नेता हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिली पराजय के बाद दिग्विजय सिंह का राजनीतिक भविष्य क्या है? दिग्विजय सिंह राज्यसभा सदस्य हैं और उनका कार्यकाल अप्रैल 2026 तक है। दिग्विजय सिंह अगले दो साल इसी हैसियत से राजनीति करते रहेंगें। वे खुद लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कमलनाथ की राजनीति के चलते उन्हें भोपाल से लोकसभा चुनाव लड़ना पड़ा था। दिग्विजय सिंह खुद इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि उनके प्रचार करने से पार्टी के वोट कटते हैं। पार्टी को इस बात का प्रमाण कई बार मिल चुका है। अब तो उनके परिवार के भीतर भी असहमति के स्वर सुनाई देने लगे हैं। दिग्विजय सिंह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार मान रहे हैं। जबकि उनके छोटे भाई लक्ष्मण सिंह सेबोटेज को कारण मान रहे हैं। पिता और चाचा कि सियासत से जयवर्द्धन सिंह ने दूरी बनाकर रखी है। जयवर्धन सिंह राघोगढ़ से विधायक हैं। विधानसभा चुनाव में उनकी जीत का मार्जिन भी घटा है। राघोगढ़ की सियासत का नियंत्रण अभी भी दिग्विजय सिंह के हाथ में है। भाजपा में जाने की जो चर्चा कमलनाथ के परिवार से जुड़ी है उससे दिग्विजय सिंह और उनके पुत्र जयवर्धन सिंह दूर हैं। दिग्विजय सिंह का राजनीतिक भविष्य सिर्फ जयवर्द्धन सिंह हैं।

उमा भारती की होगी चुनावी राजनीति में वापसी

मध्य प्रदेश के जितने भी मुख्यमंत्री अब तक हुए हैं उनमें उमा भारती की राजनीति काफी संघर्ष से भरी रही है। वे मात्र आठ माह ही राज्य की मुख्यमंत्री रह पाई थीं। वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को सरकार में लाने में उमा भारती के चेहरे की बड़ी भूमिका रही है। पार्टी नेतृत्व से टकराव के चलते उन्हें भाजपा से अलग राह भी चुनना पड़ी थी। भारतीय जनशक्ति पार्टी के नाम से अलग राजनीतिक दल भी उन्होंने बनाया था। भाजपा में वापसी के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश की राजनीति में भेजकर राज्य निकाला दिया गया। पहले चरखारी से विधायक रहीं। बाद में झांसी से 2014 का लोकसभा चुनाव लड़कर केंद्र की राजनीति में चली गईं। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। उमा भारती उत्तर प्रदेश छोड़कर मध्यप्रदेश की राजनीति में सक्रिय हैं। उनकी इच्छा 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की है। राज्य कोई भी हो सकता है। उत्तर प्रदेश या मध्यप्रदेश। हाल ही में उमा भारती ने टीकमगढ़ जिले के अपने घर श्री राम कथा का आयोजन भी रखा था। इस आयोजन को उनकी चुनावी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

किसान भाई फसलों का पंजीयन समयावधि में करायें : कृषि मंत्री कंषाना

ई-उपार्जन पोर्टल पर चना, मसूर एवं सरसों का पंजीयन 20 फरवरी से

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने चना, मसूर एवं सरसों उत्पादक किसान भाईयों से अपील की है कि वे उपज के उपार्जन के लिये ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन निर्धारित समय अवधि में जरूर कर लें। उन्होंने बताया है कि रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 20 फरवरी से 10 मार्च 2024 तक पंजीयन की कार्यवाही होगी।

श्री कंषाना ने बताया है कि भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी वर्ष 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन के लिये खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने विस्तृत निर्देश जारी कर दिये गये है। उन्होंने बताया है कि चना, मसूर एवं सरसों की फसलों के ई-उपार्जन पोर्टल पर किसानों भाइयों को पंजीयन कराना होगा। मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि पंजीयन की व्यवस्था, पंजीयन केन्द्रों के निर्धारण, पंजीयन केन्द्रों पर अन्य व्यवस्थाओं के लिये निर्देश दे दिये है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर चने की उपज के उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के समस्त जिलों में होगा। मसूर के लिए 37 जिलों में एवं सरसों उपार्जन के लिए पंजीयन प्रदेश के 40 जिलों में होगा।

मसूर उपार्जन के लिए पंजीयन भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर पन्ना, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, मण्डला, डिण्डोरी जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाडा, सिवनी, कटनी, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, उज्जैन, मंदसौर, आगर, शाजापुर, रतलाम, नीमच एवं धार में किया जायेगा।

प्रदेश भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ

हमें अभी से मिलने लगी खुशखबरी : सीएम यादव

भाजपाध्यक्ष वीडी ने कहा- हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना हमारा लक्ष्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

कार्यालय के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, मैं दोहरी खुशी के मौके पर शामिल हुआ हूं। भाजपा के लोकसभा कार्यालय का शुभारंभ हुआ। अभी अभी समाचार मिला है कि चारों जिला पंचायत अध्यक्ष हमारी भाजपा के जीते हैं। जनसंघ के जमाने से हमारा जो बढ़ा विषय धारा 370 का था। उसे समाप्त किया है। अब आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 370 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना लक्ष्य- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा आज लोकसभा के चुनाव प्रबंधन कार्यालय का उद्घाटन हुआ है। आज भाजपा ने जबलपुर, सीहोर, अशोकनगर में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध जीता है। खंडवा भी जीतने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने हमें टारगेट दिया है 370 पार। हमारा लक्ष्य है हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना।

भाजपा ने 7 कलस्टर में बांटी 29 लोकसभाएं- बीजेपी ने एमपी की 29 लोकसभा सीटों को 7 कलस्टर में विभाजित किया है। जिसमें भोपाल, जबलपुर, रीवा, इंदौर, सागर, ग्वालियर और उज्जैन शामिल हैं। एमपी बीजेपी के बड़े नेताओं को इन कलस्टरों का प्रभारी बनाया गया था। लेकिन लोकसभा कलस्टर के प्रभारियों में बदलाव किया गया है। आज ग्वालियर कलस्टर में भूपेंद्र सिंह को इंचार्ज बनाया गया, जबकि भोपाल कलस्टर को अब राजेंद्र शुक्ला देखेंगे, वहीं सागर कलस्टर के प्रभारी नरोत्तम मिश्र होंगे। इसी तरह प्रह्लाद पटेल- रीवा, कैलाश विजयवर्गीय-जबलपुर, विश्वास सारंग-उज्जैन, जगदीश देवड़ा-इंदौर के इंचार्ज बनाए गए हैं।

हर लोकसभा और कलस्टर लेवल पर खुल रहे ऑफिस- बीजेपी एमपी के सभी सातों कलस्टर स्तर पर और हर लोकसभा स्तर पर चुनाव कार्यालय खोल रही है। कलस्टर कार्यालयों से ही उस क्षेत्र की सभी 4-5 लोकसभाओं के चुनाव प्रचार अभियान का संचालन किया जाएगा। बीजेपी के केन्द्रीय नेताओं का हेडक्वार्टर कलस्टर कार्यालय रहेगा।

भोपाल में 50 से अधिक किसान हिरासत में

कोर कमेटी मेंबर शांता कुमार की पत्नी घायल, आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे दिल्ली

भोपाल (नप्र)। 13 फरवरी को दिल्ली में किसान संगठनों के आंदोलन में शामिल होने जा रहे 50 से अधिक किसानों को भोपाल में कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारकर हिरासत में लिया गया है। देर रात को सभी किसानों को एक मैरिज गार्डन में रखा गया। सुबह होते ही किसानों ने छत पर पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में धरने पर भी बैठ गए। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ भोपाल से जुड़े ओम प्रकाश राजौरिया ने बताया कि मध्य प्रदेश में कम से कम 150 किसानों को गिरफ्तार किया गया है। जो किसान खेतों में पानी दे रहे थे। उन्हें पकड़कर ले गए। घर पर महिलाओं से पुलिस ने अभद्रता की है। हमें अपने लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारे गए किसानों में राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी के सीनियर मेंबर बी शांता कुमार की पत्नी को भी उतारा गया है। उनकी पत्नी को ट्रेन में घसीटा गया है। उनके सिर में चोट लगी है। उन्हें देर रात इलाज के लिए 1250 हॉस्पिटल (जेपी हॉस्पिटल) भेजा गया। जहां से हमीदिया रैफर किया गया था। बाद में उन्हें मैरिज गार्डन भेज दिया गया। बी. शांता कुमार चंडीगढ़ में थे, वे भी आंदोलन छोड़कर भोपाल आ रहे हैं। वहां मौजूद लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है। पुलिस हमारे साथियों को छोड़े और उनका ठीक से इलाज कराएं। नहीं तो हम पूरे मध्यप्रदेश में जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे।

कर्नाटक एक्सप्रेस से किसानों को उतारे जाने के दौरान राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी के सीनियर मेंबर बी शांता कुमार की पत्नी घायल हुई हैं।

किसान नेता ने कहा- हम 70 लोग जा रहे थे दिल्ली

हिरासत में लिए गए किसान नेता परशुराम धारावाड़ ने बताया कि हम 70 किसान बेंगलुरू-निजामुद्दीन (कर्नाटक संपर्क क्रांति) एक्सप्रेस से दिल्ली जा रहे थे। इनमें 25 महिलाएं और 45 पुरुष शामिल हैं। हम कर्ज माफ, एमएसपी गारंटी कानून जारी करना, स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू कराने जैसी मांगों को लेकर किसान आंदोलन में शामिल होने वाले थे। इससे पहले भोपाल में हमें हिरासत में ले लिया गया।

इसलिए पुलिस ने उतारा ट्रेन से

दिल्ली में किसान आंदोलन की घोषणा हरियाणा और पंजाब के किसान संगठनों ने की है। आंदोलन के दौरान दिल्ली की कानून व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए दिल्ली सरकार ने निषेधाज्ञा लागू कर दी है। रविवार रात को भोपाल पुलिस को कर्नाटक एक्सप्रेस से 50 से ज्यादा किसानों के दिल्ली जाने की सूचना मिली थी।

इस इनपुट के आधार पर भोपाल पुलिस ने जीआरपी टीम की मदद लेकर कर्नाटक एक्सप्रेस में सफर कर रहे 50 से ज्यादा किसानों को भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतार लिया। जीआरपी और भोपाल पुलिस ने किसानों ने ट्रेन से उतारा तो उन्होंने रेलवे स्टेशन पर हंगामा कर दिया। किसानों ने पुलिस से बीच सफर में ट्रेन से उतारे जाने को लेकर सवाल-जवाब किए।